01 जुलाई 2025
मंगलवार

डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स

कुरकुरे और सोयाबीन के कार्टन में रखी गई 22 लाख की शराब जब्त 4

भारी बारिश से उत्तराखंड-हिमाचल में बिगड़े हालात

प्रकृति की मार

- बारिश और भूस्खलन से हिमाचल प्रदेश में अब तक 39 लोगों की मौत
- जगह-जगह लैंडस्लाइड होने के कारण कई मार्ग बंद हो गए हैं

एजेंसी/नई दिल्ली

लगातार हो रही भारी बारिश से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में हालात खराब हो गए हैं। पहाड़ी इलाकों में लगातार बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं और जगह-जगह लैंडस्लाइड हो रहा है। सड़कों पर मलबा आने से कई मार्ग बंद हो गए हैं। इससे आम लोगों की आवाजाही मुश्किल में पड़ गई है। हिमाचल प्रदेश के कई शहरों में भारी बारिश के कारण जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। कहीं सड़कें नदी में तब्दील हो गई हैं तो कहीं पहाड़ दरकने से मकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचा है। राज्य प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया है और लोगों से घरों में ही रहने की अपील की है। उत्तराखंड के बड़कोट में बादल फटने से लापता 9 मजदूरों में से 2 का शव मिला है।

तेज बारिश के अलर्ट के चलते सोमवार को हिमाचल प्रदेश के 4 जिलों में स्कूल बंद हैं। राज्य में बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। हिमाचल में अब तक 39 लोगों की जानें जा चुकी हैं। शिमला में भारी बारिश से भूस्खलन की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। लैंडस्लाइड की वजह से 2 इमारतें ढह गई। वहीं रिहायसी इलाकों में खतरा बढ़ रहा है। भारी बारिश के बाद गंगा, समेत कई नदियों और नालों का जल स्तर बढ़ गया। खतरा बढ़ने के साथ ही प्रशासन अलर्ट है। लोगों से नदियों और बरसाती नालों से दूर रहे की अपील की है। वहीं तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया गया है। अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की गई है।

ऋषिकेश-बद्रीनाथ हाइवे बंद: भूस्खलन के कारण ऋषिकेश-बद्रीनाथ हाइवे बंद हो गया है। हाइवे पर पहाड़ों का मलबा जमा होने से यातायात पूरी तरह से रोक दिया गया है। वहीं रुद्रप्रयाग में भारी बारिश के चलते अलकनंदा नदी उफान पर है। अलकनंदा नदी का जलस्तर बढ़ने से आप-पास के घरों को खाली कराया गया है। प्रशासन ने कहा कि लोगों से सतर्क और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की जा रही है।

यूट्यूब से सीखकर छाप रहे थे नकली नोट, दो धराए

मुजफ्फरनगर का मामला

- कार से नकली नोटों की सप्लाई देने बुढ़ाना आ रहे थे दोनों आरोपी गिरोह का मास्टरमाइंड फरार
- पुलिस ने उनके पास से 15 लाख 16 हजार रुपये के नकली नोट व छापने वाले उपकरण किए बरामद

एजेंसी/मुजफ्फरनगर

मुजफ्फरनगर जिले के फुगाना थाना पुलिस ने नकली नोट छापने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इंटर पास दोनों आरोपी ऑल्टो कार से नकली नोटों की सप्लाई देने बुढ़ाना आ रहे थे। उनसे 15 लाख 16 हजार रुपये के नकली नोट व छापने में प्रयोग किए जाने वाले उपकरण बरामद हुए हैं। गिरोह का मास्टरमाइंड अंकित अभी फरार है। आरोपियों से आईबी व एलआईयू ने भी पूछताछ की। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि फुगाना पुलिस को कार में नकली नोट लेकर आने वाले दो युवकों के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस ने चेकिंग के दौरान गौरव उर्फ जितन व अभय उर्फ तुषार निवासी जीतपुर थाना दौराला मेरठ को गिरफ्तार किया। उनसे नकली नोट व उनकी निशानदेही पर नकली नोट छापने वाले उपकरण बरामद किए। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार एक आरोपी गाड़ी चालक है, जबकि दूसरा आरोपी सीसीटीवी लगाता है। इनके पास से 500, 100 व 200 के नकली नोट एक बैग में बरामद हुए। इस गिरोह का मास्टरमाइंड मेरठ निवासी अंकित फरार है। ये लोग दिल्ली, यूपी व अन्य स्थानों पर नकली नोटों की सप्लाई करते थे।

संगठित गिरोह कर रहा था काम

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उनका संगठित गिरोह है, जो नकली नोट छापने का कार्य करता है। छापे गए नोटों की विभिन्न स्थानों पर सप्लाई कर अवैध आर्थिक लाभ कमाते हैं। उनके साथी अंकित ने यू-ट्यूब के माध्यम से नकली नोट छापने का काम सीखा था। उसने फिर उन्हें अपने साथ शामिल किया, नकली नोट छापना सिखाया।

चार गुना देते हैं नोट: आरोपी असली नोट के स्थान पर चार गुना नकली नोट देते हैं। वह लोग नकली नोट प्रिन्टर से बनाते हैं। यह नोट पल्लवपुरम में इन्द्र प्रस्थ कॉलोनी में किराए के मकान में छापे थे। कई बार अंकित के कहने पर बुढ़ाना में असली नोटों के बदले में चार गुना नकली नोट दिये हैं। अंकित ने ही उन्हें बताया था कि एक बहुत बड़ी डील हुई है। उसके कहने पर ही उन्होंने मेरठ की इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी में किराये के मकान में नकली नोट छापे थे। एसएसपी ने बताया कि इन लोगों ने जिस पेपर पर नोट छापे, वह बेहद हल्का है। वाटर मार्क, क्वालिटी में अंतर है।

सुबह 9 बजे सांगारेड्डी जिले के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित केमिकल फैक्ट्री में हुआ धमाका

तेलंगाना की फैक्ट्री में विस्फोट, 12 की मौत

- सीगची केमिकल फैक्ट्री में विस्फोट होने से 34 लोग घायल
- मृतकों में अधिकतर मजदूर बिहार, उत्तर प्रदेश व ओडिशा के रहनेवाले
- विस्फोट इतना जोरदार था कि मजदूर हवा में उछलकर कई मीटर दूर जा गिरे
- हादसे पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जताया शोक, आर्थिक सहायता की घोषणा की

एजेंसी/हैदराबाद

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार को एक दवा बनाने वाली फैक्ट्री में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई है और 34 लोग घायल हो गए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कई घायलों को बाहर निकाला गया और उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। यह हादसा सुबह करीब 9 बजे सांगारेड्डी जिले के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित सीगची केमिकल फैक्ट्री में हुआ। इस विस्फोट के कारण सिगाची केमिकल्स परिसर में भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं, जो केमिकल फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। तेलंगाना में मजदूरों की मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संवेदना जताई है और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है। घायलों को सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। 12 मजदूरों के घटनास्थल पर मारे जाने की पुष्टि हो गई, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट इतना जोरदार था कि मजदूर हवा में उछलकर कई मीटर दूर जा गिरे। कारखाने की इकाई विस्फोट के प्रभाव से ढह गई और आग पास की इमारत तक फैल गई। विस्फोट के समय कई मजदूर रिएक्टर के पास काम कर रहे थे। कारखाने में बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के प्रवासी मजदूर काम करते थे।

इस विस्फोट और आग से रासायनिक इकाई और आसपास के कारखानों में कर्मचारियों में दहशत फैल गई, जिसके बाद वे परिसर से बाहर भाग गए। इस बीच, बचावकर्मी मलबे को हटाने के लिए अर्थमूवर का इस्तेमाल कर रहे हैं। आशंका है कि कुछ मजदूर मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं। सांगारेड्डी जिला कलेक्टर पी. प्रवीण्या और पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज भी मौके पर पहुंचे और बचाव व राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के कर्मचारी और विभिन्न विभागों का स्टाफ भी बचाव कार्य में शामिल हुआ। अभियान जारी रहने के कारण अधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

घायल श्रमिकों का इलाज: घायलों को चंदनगर व इस्नापुर के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें से 12 की हालत नाजुक मिलने पर उन्हें आईसीयू में रखा गया है। राज्य सरकार ने हर घायल्य को उचित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

विशेष जांच टीम गठित: हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने कहा कि इमारत का मलबा हटने के बाद ही विस्तृत आंकड़े उपलब्ध होंगे। सुरक्षा मानकों की कमी या लापरवाही का संदेह जताया गया है और एक विशेष जांच टीम गठित करने की भी तैयारी जारी है।

पीएम मोदी ने जताया दुख आर्थिक सहायता की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने घोषणा की कि, मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये, गंभीर घायलों को 1 लाख रुपये, अन्य घायलों को 50,000 रुपये की सहायता दी जाएगी।

औद्योगिक सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी पर उठ रहे सवाल

इस हादसे ने तेलंगाना में औद्योगिक सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मंत्री विवेक वेंकट स्वामी ने बताया कि श्रम आयोग जल्द ही श्रमिकों की शिकायतों की जांच करेगा और सुरक्षा उपायों की समीक्षा करेगा। अतिरिक्त रूप से मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों को तीव्रता से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

गंध से आसपास के लोगों के स्वास्थ्य को खतरा

आग बुझाने के बावजूद इलाके में रासायनिक गंध बनी हुई है जो आसपास के लोगों के स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण हो सकती है। रिसर्च अधिकारियों को विस्फोट के तकनीकी कारणों का पता लगाना है, साथ ही रिएक्टर मॉडल और रख-रखाव की जांच भी होनी है।

तस्वीरों में हादसे की कहानी

अनुष्का से मिलने उनके घर पहुंचे तेज प्रताप, सात घंटा रुके

बोले- प्यार किया, इसमें कोई गलती नहीं

केटी न्यूज/पटना

आरजेडी नेता और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक लड़की के साथ उनकी तस्वीर वायरल हुई थी, जिसके बाद तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थी। अब तेज प्रताप यादव खुद उस लड़की अनुष्का यादव से मिलने उनके घर पहुंच गए। तेज प्रताप यादव सोमवार को बाइक से अनुष्का यादव के घर पहुंचे और वहां करीब 7 घंटे तक रुके।

बाहर निकलते समय जब मीडिया ने उनसे सवाल किए तो उन्होंने कहा, इस घर से मेरा पारिवारिक रिश्ता है। मैं सबसे मिलता-जुलता रहता हूं, मुझे आने-जाने से कोई रोक नहीं सकता।

इस मुलाकात से पहले तेज प्रताप ने एक इंटरव्यू में माना कि वायरल हो रही तस्वीरें सही है और वो पोस्ट उन्होंने ही की थी। साथ में उन्होंने यह भी कहा, प्यार किया तो किया, इसमें कोई गलती नहीं है। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या वह अनुष्का को अपने घर लेकर जाएंगे, तो उन्होंने इस सवाल का जवाब टाल दिया और चुपचाप गाड़ी में बैठकर रवाना हो गए। तेज प्रताप के जाने के थोड़ी देर बाद अनुष्का के भाई आकाश यादव भी दूसरी गाड़ी से बाहर निकले, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

फिर बोले- लड़ेंगे विधानसभा चुनाव: तेज प्रताप ने यह भी बताया कि कुछ लोग उन्हें पार्टी और परिवार से अलग करना चाहते थे, लेकिन अब वही लोग पछताएंगे। तेज प्रताप यादव ने कहा कि वह फिर से चुनाव लड़ेंगे और जनता का दिल कभी नहीं हारेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वो दुश्मनों से घिरे है, चाहे वो घर के अंदर हों या बाहर।

तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा का पार्टी से इस्तीफा

एजेंसी/हैदराबाद

तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। टी राजा सिंह तेलंगाना की गोशामहल विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक हैं। टी राजा ने अपना इस्तीफा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को भेजा है। उनके इस्तीफे के पीछे की वजह नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति को माना जा रहा है।

बता दें कि रामचंद्र राव को तेलंगाना के लिए भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया जाना है। अपने इस्तीफे के विषय में उन्होंने लिखा - भारी मन से लाखों कार्यकताओं की पीड़ा को दर्शाता इस्तीफा। टी राजा ने अपने इस्तीफे में लिखा- मैं यह पत्र भारी मन और गहरी चिंता के साथ लिख रहा हूं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रामचंद्र राव को तेलंगाना के लिए भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया जाना तय है। यह निर्णय न केवल मेरे लिए बल्कि लाखों कार्यकताओं, नेताओं और मतदाताओं के लिए भी एक झटका और निराशा की तरह आया है, जो हर उतार-चढ़ाव में पार्टी के साथ खड़े रहे हैं। ऐसे समय में जब भाजपा तेलंगाना में अपनी पहली सरकार बनाने की दहलीज पर खड़ी है, इस तरह का चुनाव हमारी दिशा के बारे में गंभीर संदेह पैदा करता है। टी. राजा ने अपने पत्र में लिखा- हमारे राज्य में कई योग्य वरिष्ठ नेता, विधायक और सांसद हैं जिन्होंने भाजपा के विकास के लिए अथक काम किया है और जिनके पास पार्टी को आगे ले जाने के लिए ताकत, विश्वसनीयता और संपर्क है। दुर्भाग्य से, ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ व्यक्तियों ने, निजी हितों से प्रेरित होकर, केंद्रीय नेतृत्व को गुमराह किया है और पर्दे के पीछे से शो चलाकर निर्णय लिए हैं। यह जमीनी कार्यकताओं के बलिदान को कमतर आंकता है।

गुजरात से केदारनाथ धाम जा रही कार फ्लाईओवर से नीचे गिरी, चार की मौत

एजेंसी/मुजफ्फरनगर

गुजरात से केदारनाथ यात्रा पर जा रहे पांच दोस्तों की तेज रफ्तार कार फ्लाईओवर से नीचे गिर गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार को निकलवाया। घायलों को अस्पताल भेजा गया, जहां चार युवकों को मृत घोषित कर दिया गया। पानीपत-खटीमा हाईवे पर सिसौना के निकट बागोवाली पुलिया के पास अनियंत्रित इनोवा फ्लाईओवर से गिर गई। हादसे में कार सवार गुजरात के पांच दोस्त घायल हो गए, जिनमें चार की मौत हो गई। इनमें गांधीनगर के सरगासन निवासी कर्ण, भरत, तारापुर निवासी अमित और विपुल की मौत हो गई। घायल जिगर का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस का कहना है कि मृतकों और घायल के परिजनों को सूचना दे दी है। वे गुजरात से मुजफ्फरनगर के लिए चल दिए हैं। एसएसपी संजय कुमार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

हूल दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संथाल क्रांति के वीरों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि, लिखा...

हूल दिवस आदिवासी समाज के अदम्य साहस की याद दिलाता है

एजेंसी/नई दिल्ली

हूल दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को संथाल क्रांति के वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। ऐतिहासिक संथाल विद्रोह को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो, के साथ-साथ अन्य बहादुर आदिवासी शहीदों की चिरस्थायी विरासत को नमन किया, जिन्होंने औपनिवेशिक उत्पीड़न के खिलाफ अपने प्राणों की आहुति दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, हूल दिवस हमें अपने आदिवासी समाज के अदम्य साहस और अद्भुत पराक्रम की याद दिलाता है। ऐतिहासिक संथाल क्रांति से जुड़े इस विशेष अवसर पर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के साथ ही उन सभी वीर-वीरांगनाओं का हृदय से नमन और वंदन, जिन्होंने विदेशी हुकूमत के अत्याचार के खिलाफ लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया। उनकी शौर्यगाथा देश की हर पीढ़ी को मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हूल दिवस पर वीर शहीदों को याद करते हुए लिखा, हूल दिवस' पर संथाल विद्रोह के अमर बलिदानियों सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो सहित सभी वीर-वीरांगनाओं के चरणों में कोटि-कोटि नमन करता हूं। अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो' का नारा बुलंद कर विद्रोह का बिगुल फूंक देने वाले सभी जनजातीय भाई-बहनों की गौरव गाथा सदैव भावी पीढ़ियों को अन्याय के विरुद्ध आवाज बुलंद करने तथा मातृभूमि के लिए मर-मिटने की प्रेरणा देती रहेंगी।

हूल दिवस हर साल 30 जून को मनाया जाता है। यह दिन 1855 के संथाल हूल विद्रोह की याद में मनाया जाता है। साल 1855 में झारखंड में दो संथाल भाइयों ने ब्रिटिश शासन, जमींदारों और महाजनों के शोषण के खिलाफ एक बड़ा जन-विद्रोह खड़ा किया। इस आंदोलन को 'हूल विद्रोह' कहा जाता है।

लाखनडिहरा में मृत मिला काला हिरण, बिना पोस्टमार्टम के दफनाया

- बिना पोस्टमार्टम मौत के कारणों का नहीं हो सकेगा खुलासा
- विषैले जंतुओ के काटने या जहरीला पदार्थ खाने की जताई आशंका

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाना क्षेत्र के लाखन डिहरा गांव में दुर्लभ प्रजाति का एक काला हिरण मृत अवस्था में पड़ा मिला है। उसका शव लाखन डिहरा उच्च विद्यालय से कुछ मीटर दक्षिण सड़क के किनारे पड़ा था।

सुबह में जब ग्रामीण मॉर्निंग वॉक के लिए निकले तथा दुर्लभ प्रजाति के हिरण को मरा हुआ देखे तो ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी स्थानीय प्रशासन और मीडिया कर्मियों को दी। मीडिया के द्वारा ही वन विभाग को इस घटना की जानकारी दी गई। जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम तुरंत हरकत में आई तथा मौके पर पहुंच दुर्लभ हिरण के शव को उठा वहां से नवानगर स्थित ब्लैक बग के रेस्क्यू सेंटर ले गई है तथा आनन फानन में बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को दफना दिया गया। वनरक्षी महिमा राम ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वह रात में किसी वाहन की चपेट में आ गया होगा। गंभीर चोट लगने पर उसकी मौत हो गई होगी। वहीं, सुबह में उसे कुत्ते भी नोचने लगे थे, लेकिन ग्रामीणों के तत्परता से कुत्ते उसे आंशिक रूप से ही नोच पाए थे।

वही ग्रामीणों ने आशंका जताई हैं कि संभवतः किसी विषैले जंतु के काटने या जहरीले पदार्थ खाने से उसकी मौत हुई होगी। बता दें कि कई किसान अपने फसलों में कीटनाशक का छिड़काव करते हैं। जिन फसलों में कीटनाशक का छिड़काव किया जाता है उसे खाने वाले जानवरों की मौत तक हो जाती है। लाखन डिहरा में काले हिरण की मौत मामले में ऐसे कारणों से इनकार नहीं किया जा सकता है। बहरहाल, वन विभाग द्वारा पोस्टमार्टम नहीं कराए जाने से अब इसकी जानकारी नहीं मिल पाएगी की दुर्लभ प्रजाति की श्रेणी में शामिल काले हिरण की मौत कैसे हुई है।

संरक्षित प्रजाति की श्रेणी में आते है काले हिरण : काले हिरणों की संख्या बहुत कम है, जिस कारण केन्द्र सरकार द्वारा इसे संरक्षित जीव घोषित इसके शिकार पर रोक लगाई गई है। अनुमंडल में बड़ी संख्या में ब्लैक बग पाए जाते है। खासकर चौसा, सिमरी, चक्की, नावानगर, केसठ, चौगाईं व डुमरांव प्रखंड में अक्सर ब्लैक बग देखे जाते है। सरकार द्वारा इस दुर्लभ प्रजाति को बचाने तथा उन्हें सुरक्षित आवास मुहैया कराने के लिए रेस्क्यू सेंटर खोला है। गौरतलब हो कि एक काले हिरण के शिकार करने पर सिने स्टार सलमान खान को जेल जाना पड़ा था।

संदीप रंजन बने बक्सर के नये डीईओ, अमरेन्द्र पांडेय का हुआ तबादला

बक्सर। जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार पांडेय का तबादला हो गया है। उनके जगह दरभंगा में डीपीओ रहे संदीप रंजन को बक्सर का नया जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया है, जबकि अमरेन्द्र पांडेय को भागलपुर जिला में डीपीओ के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

शिक्षा विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना में सभी पदाधिकारियों को अविलंब अपने नये कार्य स्थल पर योगदान करने का निर्देश दिया गया है।

बता दें बक्सर में डीईओ रहते हुए अमरेन्द्र पांडेय ने गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा को धरातल पर उतारने तथा शिक्षा विभाग से दलालों को उखाड़ने का अभियान चला रखा था। इसके अलावे वे हमेशा विद्यालय का निरीक्षण कर खुद इस बात की तस्दीक करते थे कि शिक्षक कही लापरवाही तो नहीं कर रहे है। जबकि बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित भी करते थे।

हालांकि, उनके कार्यकाल में कई विवाद भी सामने आए है। खासकर हाउस कीपिंग एजेंसियों के चयन तथा उनकी कार्यपद्धति हमेशा चर्चा में बनी रही। वहीं, दूसरी ओर हाल के दिनों में उनके द्वारा अनुशासनहीन शिक्षकों पर की गई कार्रवाई व स्कूलों में बिना कारण अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों को थोड़ी राहत जरूर मिलेगी।

बड़ी कार्रवाई: गिरफ्तार अपराधियों में एक का मिला है आपराधिक इतिहास

आपराधिक घटना को अंजाम देने से पहले चार धराये; तीन पिस्टल व कारतूस बरामद

- एसपी ने प्रेस वार्ता में दी पूरी जानकारी
- बाइक से कार सवार लोगों की रेकी कर रहे थे अपराधी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पुलिस की तत्परता से एक बड़े अपराधिक घटना को अंजाम देने से पहले ही चार अपराधी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने उनके पास से एक देशी कट्टा, दो देशी पिस्टल, आठ कारतूस तथा एक बाइक बरामद की है। एसपी शुभम आर्य ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इस संबंध में जानकारी दी है।

एसपी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बक्सर में एक बिना नंबर की अपाची बाइक से दो अपराधी जिनके पास हथियार है, यमुना चौक से मुनीब चौक तक एक सिल्वर रंग की कार सवार लोगों की रेकी कर रहे है तथा वे उसका हत्या करना चाहते है।

इस सूचना पर सदर डीएसपी धीरज कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित कर तत्काल छापेमारी करने का निर्देश दिया गया। डीएसपी के नेतृत्व में नगर थाने की टीम तत्काल छापेमारी के लिए उक्त जगह पहुंची। इस दौरान अपाची सवार अपराधी पुलिस को देखते ही भागने लगे। पुलिस ने दौड़ाकर एक अपराधी को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देशी कट्टा तथा पांच कारतूस बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार अपराधी की पहचान औद्योगिक थाना क्षेत्र के अहिरौली गांव निवासी रोहित कुमार यादव पिता शिव नारायण यादव के रूप में हुई। उसने पुलिस को बताया कि उसे यह कट्टा सिकरौल थाना क्षेत्र के घुनसारी गांव निवासी अरविंद सिंह पिता विष्णु सिंह ने दिया है। इसके बाद पुलिस ने अरविंद को गिरफ्तार कर पूछताछ किया तो उसने घुनसारी के ही सुधीर राम व नगर थाना क्षेत्र के शिवपुरी मोहल्ला निवासी अमित पांडेय का नाम बताया और कहा कि सभी मिलकर उस अपराधिक घटना को अंजाम देने वाले थे। इसके बाद पुलिस ने सुधीर व अमित को भी गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से एक-एक देशी पिस्टल तथा तीन कारतूस के अलावे एक बाइक भी बरामद किया गया।

बक्सर एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों की मंशा किसी की हत्या करने की थी, लेकिन पुलिस ने इसे समय रहते टाल दिया। उन्हें गिरफ्तार करने वाली टीम में सदर डीएसपी धीरज कुमार के अलावे नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार, नगर थाने के दारोगा प्रफ्फुल कुमार, प्रिया दत्ता, डीआईयू टीम व सशस्त्र बल शामिल थे।

शादी का झांसा दे ठगी करने वाला गिरोह गिरफ्तार, नगदी और सामान भी बरामद

बक्सर। जिले में शादी का झांसा दे ठगी करने वाला एक गिरोह पुलिस के हत्थे चढ़ा है। पुलिस ने राजस्थान के एक व्यक्ति की शिकायत पर इस गिरोह का उद्भेदन करते हुए गिरोह में शामिल दो महिलाओं व एक पुरूष समेत कुल तीन लोगों को पकड़ा है। उनके पास से 1.42 लाख नगद रूपए के अलावे उक्त व्यक्ति से ठगी किये गए सामान भी मिले है।

एसपी शुभम आर्य ने प्रेस वार्ता में बाताया कि राजस्थान के ब्यावर जिला के साकेत नगर थाना क्षेत्र के अशोक कुमार पिता गोपाल लाल ने नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराया था कि बक्सर निवासी गुडिया मिश्रा पति प्रमोद दूबे ने एक लड़की का फोटो भेज शादी कराने का झांसा दिया था। इतना ही नहीं दोनों ने मेरी शादी तय करते हुए मुझे दो लाख नगद रूपए तथा शादी के अन्य सामान के साथ बुलाया था। उनके झांसे में आ मैं उन्हें दो लाख रूपए देने के बाद शादी के सामान आभूषण आदि लेकर उनके बताए जगह पर पहुंचा तो वे लोग उक्त सामान को चुराकर भाग गए।

ठगी की बात समझ में आने पर पीड़ित ने इसकी शिकायत 29 जून को ही नगर थाने में की थी। इसकी जानकारी मिलते ही एसपी ने सदर डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम गठित कर ठगों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। एसपी के निर्देश पर गठित टीम ने ठगी की इस घटना में शामिल इटाढ़ी थाना क्षेत्र के चिलहर गांव निवासी गुड़िया मिश्रा उर्फ संगीता देवी पति प्रमोद दूबे, धनसोई थाना क्षेत्र के श्यामपुर गांव से पार्वती कुमारी उर्फ प्रिया पांडेय उर्फ खुशबू पिता राम पांडेय तथा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चौसा निवासी प्रमोद दूबे पिता भरत दूबे को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से उक्त व्यक्ति से ठगी किए गए दो लाख रूपयों में से 1.42 लाख रूपए तथा शादी के अन्य सामान भी पुलिस ने बरामद किए है।

एसपी ने बताया कि तीनों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि वे इसके पहले भी कई अन्य लोगों को शादी का झांसा दे ठगी का शिकार बना चुके है।

एक नजर

चौसा में स्वास्थ्य कर्मियों को कालाजार समेत संक्रामक बीमारियों से बचाव पर मिला प्रशिक्षण

बक्सर। चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित सभाकक्ष में सोमवार को ग्रामीण चिकित्सकों, आशा फैसिलिटेटरों एवं चिकित्सा कर्मियों के साथ एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कालाजार, मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया तथा फाइलेरिया जैसी संक्रामक बीमारियों से बचाव एवं उपचार की विस्तृत जानकारी देना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंद्रमणी विमल ने की। मौके पर प्रभारी चिकित्सक ने प्रतिभागियों को इन बीमारियों की पहचान, लक्षण, बचाव और समय पर इलाज की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने फाइलेरिया से बचाव के लिए लंप एमएमडीपी किट का प्रयोग करने की विधि बताई गई और इसके माध्यम से रोग नियंत्रण के साथ-साथ जीवन स्तर को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया गया। बरसात के मौसम में मच्छरों से होने वाली बीमारियों की रोकथाम पर विशेष चर्चा की गई। प्रतिभागियों को साफ-सफाई रखने, जलजमाव से बचने और समय-समय पर दवाओं के सेवन की महत्ता समझाई गई। सभी उपस्थित चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों से आग्रह किया गया कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को गांव-गांव तक पहुंचाए ताकि इन बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए इसे भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए लाभकारी बताया। इस अवसर पर स्वास्थ्य प्रबंधक सनी कुमार, बीसीएम मंजू कुमारी और वीबीडीएस गुड्डू पाठक आदि लोग उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से टूटा रेलवे क्रासिंग का बूम, तीन घंटे बाधित रहा सड़क परिचालन

डुमरांव। स्थानीय रेलवे स्टेशन के पश्चिमी क्रसिंग पर लगा बूम सोमवार की दोपहर किसी अज्ञात वाहन के धक्के से टूट गया। इस दौरान करीब तीन घंटे तक सड़क व रेल मार्ग बाधित रहा। बूम टूटने के बाद परिचालन बाधित होने से डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर वाहनों की लंबी लाइन लग गई थी। वहीं, इस कारण कई ट्रेनों आउटर सिंगनल तथा उसके पीछे या स्टेशन पर खड़ी रही। दोपहर में बूम टूटने व जाम लगने से लोगों को चिलचिलाती धूप में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। खासकर स्कूली बच्चें, मरीज और दैनिक यात्रियों को फजीहत झेलनी पड़ी। जाम में कई एंबुलेंस और स्कूली बसें फंसी रहीं। वहीं, बूम टूटने की वजह से फाटक काफी देर तक बंद नहीं हो पाया था, जिससे कई ट्रेनों को आउटर सिग्नल पर ही रोक दिया गया था। बाद में स्लाइड बूम के सहारे ट्रेनों व वाहनों का परिचालन कराया गया। धर पश्चिमी क्रासिंग पर जाम लगने से पूर्वी क्रॉसिंग पर भी दबाव बढ़ गया था। रेलवे के तकनीशियनों द्वारा टूटे बूम की मरम्मत के कराने के बाद ही परिचालन दुरूस्त हो सका। इस दौरान करीब तीन घंटे तक लोगों को खासे परेशानी का सामाना करना पड़ा।

सदर अस्पताल में 10 बेड का आईसीयू शुरू करने के लिए फिर होगा आमरण अनशन

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर सदर अस्पताल में 10 बेड वाले आईसीयू को पुनः चालू कराने के लिए राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता हरेकृष्ण यादव के नेतृत्व में आमरण अनशन किया जाएगा।

इस संबंध में हरेकृष्ण ने बताया कि मुख्यमंत्री के प्रगति यात्रा के ऐन पहले बक्सर सीएस ने सदर अस्पताल में 10 बेड वाले आईसीयू शुरू करने संबंधित पत्र भी निकाल था, लेकिन मुख्यमंत्री के जाते ही इस सुविधा को बंद कर दिया गया है।

हरेकृष्ण ने कहा कि सदर अस्पताल में आईसीयू की सुविधा नहीं मिलने से मरीजों तथा उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्रिटिकल कंडीशन में सदर अस्पताल द्वारा मरीजों को रेफर कर दिया जाता है। इस दौरान कई ऐसे भी मामले सामने आए है कि आईसीयू के अभाव में हॉयर सेंटर जाने के दौरान मरीज ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया है। हरेकृष्ण ने कहा कि जबतक सदर अस्पताल में 10 बेड वाला आईसीयू शुरू नहीं होता है, तबतक उनका आंदोलन जारी रहेगा। सदर अस्पताल से लेकर जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में अधिकतर गरीब मरीज ही इलाज कराने आते है। सरकार द्वारा उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जाती है, लेकिन स्थानीय प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पाता है। उन्होंने कहा कि युवा अब जाग चुके है तथा स्वास्थ्य विभाग की मनमानी चलने नहीं दी जाएगी।

बोले सिविल सर्जन: चिकित्सकों की बहाली के लिए राज्य सरकार से की जाएगी मांग

- एमएनसीयू में मंगलवार से शुरू होगा रेडिएंट वार्मर और मॉनीटर लगाने का काम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद में जल्दी ही शिशु चिकित्सा कक्ष (एनएनसीयू) की शुरूआत की जाएगी। अस्पताल परिसर स्थित एमएनसीयू कक्ष में रेडिएंट वार्मर और मॉनीटर लगाने का काम मंगलवार से शुरू होगा। सोमवार को सीएस डॉ. शिव कुमार प्रसाद चक्रवर्ती ने अनुमंडलीय अस्पताल व एमएनसीयू कक्ष का निरीक्षण कर डीएस डॉ. गिरीश सिंह को आवश्यक निर्देश दिए।

सीएस के इस निरीक्षण से अनुमंडलीय अस्पताल में लंबे समय से प्रतीक्षित मॉडल न्यूबर्न केयर यूनिट के उद्घाटन के आसार दिखने लगे है। सीएस ने कहा कि इस यूनिट के लिए अस्पताल में चाइल्ड स्पेशलिस्ट की बहाली की मांग सरकार से की जाएगी। एमएनसीयू यूनिट के निरीक्षण के दौरान सीएस ने व्यवस्थाओं की बारीकी से परखा तथा यूनिट में लगाए गए सभी तकनीकी मशीनों और उपकरणों की बारीकी से जांच कर डीएस को कई आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एमएनसीयू को शीघ्र शुरू कराने की दिशा में लगातार प्रयास हो रहे हैं। इसके लिए अस्पताल प्रशासन एवं जिला स्वास्थ्य समिति पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है।

सीएस ने बताया कि यूनिट के लिए आवश्यक बिस्तर पहले से ही मौजूद हैं, अब तकनीकी संसाधन और मानव संसाधनों को पूरा कर इस यूनिट को चालू कर दिया जाएगा।

इसके अलावे सीएस ने अस्पताल के ओपीडी, जनरल वार्ड, महिला वार्ड, दवा वितरण केंद्र, आपातकालीन सेवा केंद्र और प्रसव कक्ष आदि का भी जायजा लिया तथा कर्मियों को मरीजों का बेहतर इलाज करने का निर्देश दिया।

भाजपा सिमरी मंडल की बैठक में बूथ सत्यापन पर हुई चर्चा

बक्सर। भाजपा समरी मंडल की बैठक सोवार को आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष श्रीभगवान सिंह त्यागी ने की। बैठक में निर्वाचन आयोग दिल्ली से प्रशिक्षण प्राप्त बीएलए- 1 मदन दुबे ने मतदाता सूची और मतदान केन्द्र से संबंधित विशेष जानकारी कार्यकताओं को दी। वहीं, केंद्र से आए विधान सभा आईटी प्रभारी अनुज पाण्डेय ने बूथ तक मतदाताओं के लिए किए जाने वाले कार्यों का प्रशिक्षण दिए। मंडल अध्यक्ष श्रीभगवान सिंह त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि बूथ सत्यापन के दौरान बूथ सशक्तिकरण टोली के साथ वे स्वयं प्रत्येक बूथ पर जाकर सत्यपान का कार्य पूर्ण करने में कार्यकताओं को सहयोग कर रहे हैं। वे अपने मंडल से एनडीए को पूर्ण बहुमत से विजय दिलाने के लिए कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी से संबंधित हर तरह के कार्य के लिए वह पूर्णकालिक के रूप में कार्य कर रहे हैं और संगठन से संबंधित किसी भी सहयोग के लिए वह हर पल मौजूद हैं। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री राहुल राय ने किया। वहीं, कार्यकताओं को राजाराम पांडेय, रासबिहारी दुबे, जितेंद्र दुबे, विनोद पांडेय, अनु तिवारी, दिनेश तिवारी, अजय दुबे इत्यादि ने संबोधित किया।

डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में शुरू हुई धान की रोपनी, खेतों में पसीना बहा रहे किसान

12.500 हजार हेक्टेयर में होगी धान की रोपनी

- नहर के अंतिमछोर तक नहीं पहुंचा पानी किसानों की परेशानी बढ़ी

केटी न्यूज/डुमरांव

खेतों में छायी विरानी लौट आयी है, धान की रोपनी शुरू हो गई है। रोपनी करने वाली महिला मजदूर खेतों में रोपनी करते हुए दिखाई पड़ने लगी है। प्रखंड के 12 हजार 500 हेक्टेयर में धान की रोपनी का लक्ष्य रखा गया है। लक्ष्य के अनुरूप रोपनी हो इसको लेकर कृषि विभाग अपनी सक्रीयता निभा रहा है। खेतों में किसान सलाहकार और समन्वयक पहुंच किसानों और रोपनी करने वाले मजदूरों को उसकी दूरी कितनी हो बता रहे हैं। फिर रोपनी के बाद कौन खाद कितनी मात्रा में डाला जाएगा, इसकी भी जानकारी दी जा रही है। किसान समन्वयक राजीव कुमार ने बताया की लक्ष्य के अनुसार धान की खेती किया जाए, उसको लेकर किसानों को मदद की जा रही है। इस समय किसानों का सबसे पसंदीदा धान सम्पूर्णा और एमटीयू, 7029 है, लिहाजा ज्यादा इसी की रोपनी खेतो में की जा रही है। अन्य धानो में बीपीटी 5204, दामिनी, चिंटुआ और सोनाचूर है। मालूम हो कि जिले में सोनाचूर चावल की डिमांड काफी बढ़ गई है, लिहाजा किसान ज्यादा इसकी बुआयी कर रहे हैं। अटांव गांव के किसान घनश्याम चौधरी, श्रीनिवास चौधरी, महरौरा के सुरेन्द्र पाल, रामदयाल पाल, रामाकांत राय, टेंगारी राय, बिनोद कुमार सहित अन्य का कहना है कि हमलोग मेहनत और पैसा खर्च कर अपने खेतों में रोपनी तो कर रहे हैं, लेकिन बारिश नहीं हुई तो मेहनत और पैसा सारा बर्बाद हो जाएगा। प्रखंड में अधिकांश सरकारी बोरिंग फेल हो चुके हैं, निजी बोरिंग और बारिश पर ही किसानों को निर्भर होना पड़ता है। ऐसे में जो गरीब किसान हैं उन्हें ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ जाता है। वहीं संभ्रांत किसान बिचड़ा डालने से लेकर रोपनी और धान की फसल तैयार होने तक अपने संसाधन के माध्यम से समय-समय पर पटवन करते रहते हैं। इस तरह से उन्हें दोनों तरफ से फायदा मिलता है, एक फसल में कोई रोग नहीं मिलता और खेत में पानी रहने से खाद का असर कुछ ज्यादा होता है और पैदवार अच्छी होती है। किसान सलाहकार, समन्वयक और अधिकारी नहर विभाग के अधिकारियों से मिल नहरों में पानी अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिये बैठकें कर रहे हैं।

डुमरांव के युवक की रोहतास में सड़क हादसे में दर्दनाक मौत, दो जख्मी

- पत्नी व उसकी दोस्त को सासाराम से परीक्षा दिला लौट रहा था युवक
- दरिगांव थाना क्षेत्र में डंपर की टक्कर से मौके पर हो गई युवक की मौत

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाना क्षेत्र के अरैला गांव निवासी एक युवक की रोहतास जिले के दरिगांव थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई है। वहीं, इस दुर्घटना में उसकी पत्नी तथा उसकी दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हो गई है, जिन्हें सासाराम सदर अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए हॉयर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

मृतक की पहचान अरैला गांव निवासी 30 वर्षीय रविन्द्र यादव के रूप में हुई है। वहीं, उसकी पत्नी 26 वर्षीय संगीता देवी व उसकी सहेली की हालत भी चिंताजनक बनी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार वह चार दिन पहले अपनी पत्नी को लेकर परीक्षा दिलाने सासाराम गया था। रविवार को परीक्षा संपन्न होने के बाद वह पत्नी तथा उसकी एक दोस्त को लेकर बाइक से पहले तारा चंडी मंदिर में दर्शन पूजन करने गया तथा वहां से अपने गांव लौट रहा था, लेकिन दरिगांव थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार डंपर ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। दुर्घटना के विभत्सता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हेलमेट पहनने के बावजूद रविन्द्र का सर बूरी तरह से कुचल गया था। दरिगांव के थानाध्यक्ष कपिलदेव पासवान ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया गया है।

वहीं, इस घटना की जानकारी मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया है। पोस्टमार्टम के बाद सोमवार को उसका शव पैतृक गांव अरैला लाया गया। शव आते ही परिजनों के क्रंदन चित्कार से माहौल गमगीन हो गया। घटना के बाद से गांव में मायूशी छाई है। परिजनों ने भारी मन से उसका अंतिम संस्कार किया।

खाड़ी देश में नौकरी करता था मृतक

ग्रामीणों ने बताया कि मृतक अपने परिवार के भरण पोषण के लिए खाड़ी देश में नौकरी करता था। वह कुछ महीने पहले ही खाड़ी देश से आया था तथा एक सप्ताह के अंदर फिर खाड़ी देश जाने वाला था, लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। दुबारा खाड़ी देश जाने से पहले वह दुनिया ही छोड़ गया। कमाउ पूत के मौत के बाद परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि व तीन भाईयों में सबसे बड़ा था।

एक नजर

कोरानसराय थाना क्षेत्र के चौकीदार परेड में आपराधिक गतिविधियों की हुई समीक्षा

डुमरांव। क्राइम कंट्रोल को लेकर कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने रविवार की शाम थाना परिसर में चौकीदार परेड का आयोजन किया। इसमें थाना क्षेत्र के सभी चौकीदार शामिल हुए। इस दौरान थानाध्यक्ष ने निर्देश दिया कि क्राइम कंट्रोल में चौकीदारों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। चौकीदार सजग रहे तो कोई भी आपराधिक घटना नहीं हो सकती। उन्होंने चौकीदारों से कहा कि आप लोग अपने-अपने क्षेत्रों में आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने में सक्षम है। ईमानदारी से अगर आप ड्यूटी करेंगे तो ग्रामीण इलाकों में आपराधिक घटनाओं पर विराम लग जायेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन चौकीदारों के गांव में शराब की बिक्री होते पायी जायेगी और उसकी सही समय पर सूचना नहीं देने वाले संबंधित चौकीदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी। मौके पर एक-एक चौकीदार से उनके क्षेत्रों के आपराधिक गतिविधियों की फीडबैक भी लिया गया। साथ ही चौकीदारों को निर्देश दिया कि क्षेत्र में असामाजिक तत्वों, अपराधियों व शराब बेचने वालों पर कड़ी नजर रखें व उनकी सूचना तुरंत दें। सभी चौकीदार रात में अपने-अपने क्षेत्रों में सख्ती से गश्ती करें और बैंक के आसपास भी नजर रखें। कोताही बरतने वालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जायेगी।

विड़बना: सड़क को लेकर आमरण अनशन तीसरे दिन भी रहा जारी, प्रशासन मौन

डुमरांव। नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र नया भोजपुर में जाने का तीन रास्ता है, लेकिन सभी जर्जर स्थिति में हैं। नगर परिषद में शामिल होने के बाद लोगों में यह विश्वास जगा था कि अब नया भोजपुर का विकास शहर की तरह होगा, लेकिन इसकी स्थिति पहले से भी खराब होती जा रही है। इसको लेकर भाजपा नेता धनंजय पांडये ने नया भोजपुर चौक पर 26 जून से ही धरना-प्रदर्शन का कार्यक्रम चला रखा है, लेकिन इसका कुछ प्रभाव प्रशासन पर नहीं पड़ा। ग्रामीण कार्य विभाग को रोड बनाने की जिम्मेवारी मिली हुई है, इसके कार्यपालक अभियंता संजय कुमार ने जाकर धरना स्थल पर जाकर आश्वासन दिया था की शीघ्र रोड बनाने का काम लगाया जाएगा। धरना दे रहे भाजपा नेता ने उनसे कहा कि आप काम जबतक नहीं लगाएंगे तबतक धरना-प्रदर्शन नहीं रूकेगा। फिर धरना-प्रदर्शन आमरण अनशन में तब्दिल हो गया। लिहाजा धनंजय पांडेय 28 जून से आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। आमरण अनशन पर बैठने के बाद कोई अधिकारी उनके पास तक नहीं गया, इसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्राश है।

एक जुलाई को भारत बंद का ऐलान, बहुजन संगठनों ने उठाई पांच प्रमुख मांगें

केसठ। भारत मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, राष्ट्रीय परिवर्तन मोर्चा, बहुजन क्रांति मोर्चा सहित कई बहुजन संगठनों ने एक जुलाई को भारत बंद का ऐलान किया है। यह बंद लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और मूलनिवासी अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से बुलाया गया है। भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वामन मेश्राम और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. चौधरी विकास पटेल के नेतृत्व में यह आंदोलन देशव्यापी रूप से आयोजित होगा। बंद की प्रमुख मांगों में ईवीएम के विरोध में बैलेट पेपर की वापसी सबसे अहम है। संगठनों का कहना है कि ईवीएम से चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता खत्म हो गई है और जनता का भरोसा डगमगाया है। दूसरी मांग है ओबीसी की जातिगत जनगणना कराना, जिसे केंद्र सरकार लगातार टालती रही है। इससे सामाजिक योजनाओं के लाभ से पिछड़ा वर्ग वंचित हो रहा है। तीसरा बड़ा मुद्दा आरएसएस और बीजेपी द्वारा बहुजन महापुरुषों के अपमान का है। संगठन इसे सुनियोजित सांस्कृतिक हमला बता रहे हैं। चौथे मुद्दे के रूप में बोधगया टेम्पल एक्ट 1949 को समाप्त करने की मांग की गई है, जिसे बौद्ध अनुयायियों की आस्था के खिलाफ बताया गया है। वहीं, वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को असंवैधानिक बताते हुए उसका विरोध किया गया है। बहुजन मुक्ति पार्टी के प्रदेश महासचिव गोरखनाथ पासवान ने बहुजन संगठनों ने आम जनता, छात्रों, मजदूरों और जागरूक नागरिकों से 1 जुलाई को बंद को शांतिपूर्वक सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन लोकतंत्र और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। उन्होंने हजारों हजारों की संख्या में लोगों से भाग लेने का अपील किया। उन्होंने कहा कि ये बंदी बक्सर में डीएम ऑफिस के सामने की जाएगी।

खबरें फटाफट

शराब के नशे में पकड़े गए चार युवक

डुमरांव। कोरानसराय थाना पुलिस ने शराब के नशे में हंगामा करते हुए चार युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन्हें अलग-अलग जगहों से हिरासत में लिया और हिरासत में लेकर मेडिकल जांच कराई। जांच में शराब पीने की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने चारों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में नाजीरगंज गांव निवासी प्रमोद कुमार, मठिला डेरा के राजेंद्र यादव, बिहियां के राकेश साह और रानीबाग मोहल्ला निवासी महेंद्र प्रसाद शामिल हैं।

दो तस्कर गिरफ्तार भेजे गए जेल

डुमरांव। थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगहों से शराब दो शराब तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। जानकारी के अनुसार पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के बंझू डेरा गांव स्थित भरत यादव के घर छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस को उसके घर से 900 एमएल देशी शराब मिला, जिसके बाद पुलिस ने भरत यादव को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, दूसरी तरफ शराब तस्करी मामले में फरार चल रहे डुमरांव के लालगंज कड़वी निवासी मुसाफिर राय को पुलिस ने गुप्त सूचना पर गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

शराब और बाइक के साथ धंधेबाज गिरफ्तार

काराकाट। कछवां थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शराब कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 28 लीटर देसी महुआ शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष पंकज कुमार पासवान ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान थाना क्षेत्र अंतर्गत महराजगंज निवासी मिठू राम के पुत्र रोहित कुमार के रूप में हुई है। वह एक स्प्लेंडर प्लस बाइक के सहारे शराब की ढुलाई कर रहा था। पुलिस ने मौके से बाइक सहित कुल 28 लीटर देसी महुआ शराब बरामद की है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति के विरुद्ध मामला दर्ज करते हुए अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा है।

बक्सर नप के उपचुनाव का आया रिजल्टः वार्ड 20 में हीना परवीन ने मारी बाजी

बेबी देवी बनीं बक्सर नप की उप चेयरमैन सोनी देवी को 750 मतों से किया पराजित

- निर्वाची पदाधिकारी सह एसडीएम अविनाश कुमार ने की प्रत्याशियों की जीत की घोषणा
- जीत की घोषणा के बाद समर्थकों में बढ़ा जोश, उड़ाए रंग-अबीर

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर नगर परिषद के उप मुख्य पार्षद तथा वार्ड 20 के पार्षद पद के उप चुनाव का मतगणना सोमवार को बाजार समिति में कराया गया। दस राउंड तक चले इस मतगणना में उप मुख्य पार्षद पद पर बेबी देवी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सोनी देवी को 750 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। वहीं, वार्ड 20 के उप चुनाव में हीना परवनी ने सपना देवी को पटखनी दी। निवार्ची पदाधिकारी सह एसडीएम अविनाश कुमार ने दोनों विजयी प्रत्याशियों की जीत की घोषणा की तथा उन्हें प्रमाण पत्र सौंपा।

इसके पूर्व सुबह आठ बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना की प्रक्रिया शुरू की गई। जिसमें बेबी देवी पहले राउंड से ही बढ़त बनाए हुए थी। दसवे राउंड तक उप मुख्य पार्षद पद की गिनती पूरी हुई। इस दौरान बेबी देवी को कुल 9877 मत मिले जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंदी सोनी देवी को 9127 मत मिले। अन्य प्रत्याशियों में अंजली देवी को 4613, कुलशुम खातून को 4006, मनीषा चौधरी को 1529 तथा संजू देवी को 3952 मत मिले। अंत में निवार्ची पदाधिकारी सह एसडीएम ने बेबी देवी को विजेता घोषित कर दिया। वहीं, दूसरी तरफ वार्ड 20 के पार्षद पद के उप चुनाव में हीना परवीन को कुल 531 मत मिले तथा वे अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी सपना देवी को 69 मतों से पराजित कर वार्ड 20 की नई पार्षद बनी।

पल पल की स्थिति की जानकारी लेते रहे समर्थकः इस दौरान प्रत्याशियों के समर्थक पल-पल की स्थिति की जानकारी ले रहे थे। इसके लिए अंद गए लोगों से लेकर मीडियाकर्मियों तक का सहारा लिया जा रहा था। वहीं, हर राउंड की गिनती के बाद निवार्ची पदाधिकारी द्वारा घोषणा किया जा रहा था। इससे भी समर्थकों को अपने प्रत्याशियों के अद्यतन स्थिति की जानकारी मिल रही थी। जैसे-जैसे शाम ढलते गई बेबी देवी के समर्थकों का उत्साह बढ़ते गया, जबकि अन्य प्रत्याशियों के समर्थक मायूश हो गए।

परिणाम के बाद कही उड़ा जीत का गुलाल तो कही रहा हार का मलालः चुनाव परिणाम आने के बाद विजेता पक्ष की खुशी देखते ही बन रही थी। बक्सर की नई उप मुख्य पार्षद बनी बेबी देवी के समर्थक चुनाव परिणाम जारी होते ही जश्न में डूब गए। इस दौरान समर्थकों द्वारा जमकर अबीर गुलाल उड़ाया गया तथा एक दूसरे को मिठाई खिला जीत का जश्न मनाया गया। इस दौरान समर्थकों द्वारा आतिशबाजी भी की गई। वहीं, दूसरी तरफ हारे हुए प्रत्याशियों व उनके समर्थकों के चेहरे मुरझा गए थे। वहीं, शांतिपूर्ण मतगणना संपन्न होने से जिला प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

मतगणना स्थल पर सुरक्षा के किए गए थे कड़े इंतजाम

मतगणना को ले बाजार समिति परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। डीएम डॉ. विद्यानंद यादव, एसपी शुभम आर्य, एसडीएम अविनाश कुमार, सदर डीएसपी धीरज कुमार, नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार समेत बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी व मजिस्ट्रेट इस मतगणना का निरीक्षण करते रहे। वहीं, बाजार समिति रोड की सुरक्षा भी पुख्ता रखी गई थी। एहतियात के तौर पर बैरिकेटिंग की गई थी तथा निर्धारित पहचान पत्र रखने वालों को ही अंदर जाने दिया जा रहा था। मतगणना कक्ष में लगे कर्मियों तथा प्रत्याशी या उनके अभिकताओं के पास मोबाईल या किसी तरह के इलेक्ट्रानिक डिवाइस, ज्वलनशील पदार्थ आदि ले जाने की छूट नहीं दी गई थी। पूरे परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों से भी अधिकारी मतगणना की निगाहबानी करते रहे।

संझौली प्रखंड कार्यालय के समीप मिला अज्ञात बुजुर्ग का शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/सासाराम

जिले के संझौली प्रखंड कार्यालय के समीप नाग देवता मंदिर के पास सोमवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई,जब स्थानीय लोगों ने एक अज्ञात वृद्ध का शव मंदिर के चबूतरे के नीचे पड़ा देखा । घटना की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई और तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई । सूचना पर पहुंची संझौली थाना की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।

थानाध्यक्ष शिव कुमार मंडल ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 65 वर्ष प्रतीत हो रही है और शव पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। शव की पहचान कराने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की गई,लेकिन अब तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। प्रारंभिक जांच में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वृद्ध रात में मंदिर परिसर के चबूतरे पर सो रहा होगा और संभवतः गिरने की वजह से उसकी मौत हो गई हो। हालांकि मृत्यु के कारणों की स्पष्ट पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगी। पुलिस ने शव को पंचनामा कर सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव को कुछ समय के लिए शिनाख्त हेतु रखा जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई इस व्यक्ति को पहचानता हो या कोई जानकारी हो, तो संझौली थाना से संपर्क करें। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और सभी संभावित पहलुओं पर नजर बनाए हुए है।

बैठक में शामिल नहीं हुए जिला गव्य पदाधिकारी एवं मत्स्य पदाधिकारी, डीएम ने जताई नाराजगी

केटी न्यूज/सासाराम

वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्केल ऑफ फाइनेंस के निर्धारण हेतु जिला स्तरीय तकनीति समिति की बैठक जिला पदाधिकारी महोदया की अध्यक्षता में की गई। आज की बैठक में मुख्य रूप से वित्तीय वर्ष में बैंकों द्वारा लाभुकों को कृषि, गव्य, मत्स्य, एवं पशुपालन से संबंधित ऋण वितरण में अधिकतम कितना ऋण दिया जाए इस पर चर्चा हुई।

सूचना के बावजूद महत्वपूर्ण बैठक में जिला गव्य पदाधिकारी एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी ने बैठक में अपने प्रतिनिधि को भेजा, जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा काफी नाराजगी व्यक्त की गई और दोनों पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश प्रबंध निदेशक, सहकारी बैंक लिमिटेड को दिया गया।

वित्तमान निर्धारण में डीएम ने जिला कृषि पदाधिकारी से गत वर्ष और इस वर्ष के स्केल ऑफ फाइनेंस में अंतर रहने पर पृच्छा की गई। जिसमें जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा राज्य स्तर पर लिए गए निर्णय के आलोक में इस वर्ष स्केल आफ फाइनेंस के निर्धारण से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई और नए निर्धारण में सभी संबंधितों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके जिलाधिकारी का स्पष्ट निर्देश सभी उपस्थित पदाधिकारी को दिया गया। उसी क्रम में आलू, स्ट्रॉबेरी, टमाटर मोथा आदि उत्पादक किसानों के उत्पादन लागत की गहन समीक्षा की गई एवं वास्तविक लागत से संबंधित डाटा उपलब्धता के आलोक में स्केल आफ फाइनेंस का निर्धारण किया गया। बैठक में डीडीसी, प्रबंध निदेशक सहकारी बैंक, एलडीएम, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी आदि सदस्य उपस्थित थे।

अभिनव कला संगम मतदाताओं के बीच चलायेगी जागरूकता अभियान

जात-पात व धर्म की राजनीतिक के दुर्गंध में आमलोग जकड़ चुके हैं: डॉ. उदय सिन्हा

केटी न्यूज/डेहरी

देश के चर्चित नाट्य कला संस्कृति व सामाजिक संस्था अभिनव कला संगम आगामी विधानसभा चुनाव के पूर्व मतदाताओं के बीच जागरूकता अभियान चलाएगी। साथ ही बेहतर प्रत्याशी चयन के लिए लोगों को जागरूक भी करेगी। इसका निर्णय रविवार कि शाम संस्था के संरक्षक सह मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. उदय सिन्हा के निजी क्लीनिक पर बैठक में लिया गया।

डॉ. उदय कुमार सिन्हा ने कहा कि जात-पात, धर्म- मजहब के राजनीतिक के दुर्गंध में आमलोग इतना जकड़ चूकें हैं, कि राजनीतिक पार्टियां भी जात- पात के चक्कर मे उम्मीदवारो का चयन जाती के आधार पर करते हैं। जो विधानसभा क्षेत्र हीं नहीं राज्य के लिए घातक है। प्रत्याशीयों के सहीं चयन नहीं होने पर मतदाताओं को नोटा बटन का उपयोग करना चाहिए, ताकि राजनीतिक दलों को यह सबक मिले कि मतदाता पर ऐरे- गैरे उम्मीदवार थोपा न जा सके। अकस सदस्यों ने कहा कि इसे लेकर विधानसभा क्षेत्र ही नहीं जिले स्तर पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जाना चाहिए, और मतदाताओं को यह बताना चाहिए कि जात- पात, धर्म से उपर उठकर अच्छे प्रत्याशी का मतदान करे। और प्रत्याशी बेहतर नहीं होने पर नोटा का बटन दबाएं। अन्य सदस्यों ने कहा कि अभिनव कला संगम विधानसभा चुनाव के पूर्व मतदाता जागरूकता अभियान के साथ बेहतर विहार को लेकर कई अन्य कार्यक्रमो का आयोजन करेंगी। संरक्षक डा उदय कुमार सिन्हा द्वारा दिए गए सुझाव पर तत्काल निर्णय लेते हुए संस्था के सदस्यों ने जल्द नुक्कड़ नाटक करने का निर्णय लिया गया। बैठक में संस्था अध्यक्ष कमलेश कुमार, संरक्षक सीमल सिंह, सचिव विनय मिश्रा, कोषाध्यक्ष शिवजी गुप्ता, उपाध्यक्ष संजय यादव, आलोक मिश्रा, रवि तिवारी, कृष्णा यादव, बैजू गुप्ता समेत अन्य उपस्थित थे।

पॉश मशीन बनाने में विभाग कर रहा मनमानी

डुमरांव। पीडीएस विक्रताओं को पॉश मशीन के सहारे ही अनाज का वितरण करना पड़ता है। महीना में पॉश मशीन के खराब होने की शिकायत काफी मिलती रहती है। उसे ठीक कराने के लिए प्रखंड में एक राहुल कुमार हैं, जिनके द्वारा खराब पॉश मशीन को ठीक किया जाता है। अकेले होने के कारण जहां मशीन खराब होने की शिकायत मिलती है, जाना पड़ता है।

ऐसा होता है कि मशीन बनाने के लिये प्रखंड के विभिन्न गांव में जाने के कारण डीलरों को वहीं बुलाते हैं, ऐसे में परेशानी उनकी बढ़ जाती है। वर्तमान समय में स्थिति यह है कि पॉश मशीन का स्टॉक रखने की मांग डीलर कर रहे हैं। अनुमंडल जन वितरण प्रणाली संघ के अध्यक्ष भुट्टी सिंह ने कहा कि बुधवार को एक शिविर का आयोजन किया गया है, जहां पॉश मशीन को जमा किया जाएगा।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
92%
TOPPERS- STD. X
1st 2nd 2nd 2nd 3rd 3rd
95.2% 94.8% 94.8% 94.8% 94% 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

शिक्षा विभाग ने की 10,322 महिला शिक्षकों की पोस्टिंग

मिली राहत

केटी न्यूज/पटना

शिक्षा विभाग ने 10,322 महिला शिक्षकों की पोस्टिंग और ट्रांसफर सूची जारी की है। कई शिक्षिकाओं को जिला और विद्यालय आवंटित किए गए हैं। यह कदम शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। इससे हजारों शिक्षिकाओं को बड़ी राहत मिली है।

बिहार में महिला शिक्षकों के तबादले और पदस्थापन को लेकर शिक्षा विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। सोमवार को शिक्षा विभाग की तरफ से 10 हजार 322 महिला शिक्षकों की पोस्टिंग का विवरण जारी कर दिया गया है, जिसके बाद हजारों शिक्षिकाओं को लंबे वक्त से चली आ रही असमंजस की स्थिति से राहत मिल गई है।

महिला शिक्षकों की पोस्टिंग का विवरण जारी : शिक्षा विभाग की तरफ से जारी किए गये विवरण के मुताबिक 881 महिला शिक्षिकाएं, जिन्हें जिले तो आवंटित किए गये थे लेकिन स्कूल नहीं मिला था, उन्हें भी विद्यालय आवंटित कर दिए गये हैं। इसके साथ ही 1063 शिक्षिकाएं, जिन्हें वर्तमान स्कूल में शिक्षक संख्या कम होने के कारण न तो जिला और न ही स्कूल आवंटित हो सका था, उन्हें भी स्कूल में पोस्टिंग मिल गई। वहीं, कक्षा 6 से 12 तक की 8378 महिला शिक्षिकाओं का भी ट्रांसफर कर दिया गया है। इनमें से 2043 शिक्षिकाओं को जिला और स्कूल दोनों का आवंटन कर दिया गया है। शेष 6335 शिक्षिकाओं को जिला आवंटित किया गया। इन शिक्षिकाओं को जिला आवंटन के बाद जिला स्थापना समिति स्कूल आवंटित करेगी। फिलहाल शिक्षा विभाग के इस कदम से शिक्षकों की बेहतर ढंग से पोस्टिंग और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी पहल मानी जा रही है। राज्य के कई जिलों में लंबे समय से विषय शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। विभाग की नई सूची जारी होने से उम्मीद है कि स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती बेहतर होगी और शिक्षण स्तर भी सुधरेगा। विभाग ने शिक्षकों से अपील की है कि वे अपने तबादले की प्रक्रिया में पूरी सहयोग दें ताकि बच्चों की पढ़ाई में कोई रुकावट न आए।

सभी फाइलेरिया मरीजों को मिलेगा एमएमडीपी किट

केटी न्यूज/पटना

राज्य में चिन्हित फाइलेरिया मरीजों को शत-प्रतिशत एमएमडीपी किट उपलब्ध कराया जाएगा। अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, फाइलेरिया डॉ. श्यामा राय ने सभी जिलों के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी को इस बाबत निर्देश जारी किया है। ज्ञात हो कि राज्य के सभी 38 जिले फाइलेरिया बीमारी से प्रभावित हैं। फाइलेरिया मरीजों को अपने प्रभावित अंगों की देखभाल के लिए सरकार द्वारा साल में एक बार एमएमडीपी किट प्रदान की जाती है. वर्तमान में राज्य के सभी 38 जिलों में कुल 1,58,644 हाथीपांव के मरीज चिन्हित हैं। हाल में ही हुई समीक्षा बैठक में जिलों में चिन्हित सभी हाथीपांव के मरीजों को शत-प्रतिशत एमएमडीपी किट प्रदान करने का निर्देश प्राप्त हुआ है। ऐसे जिले जहां एमएमडीपी किट्स उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें निर्देशित किया गया है कि अपने जिले कुल चिन्हित हाथीपांव के मरीजों के लिए पीपल्स लेप्रा फाउंडेशन से किट्स की खरीदारी कर ससमय इनका वितरण शुरू करें। सभी वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि सभी लाइन लिस्टेड मरीजों को किट प्रदान करना सुनिश्चित करें एवं अपने जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिर द्वारा मरीजों को एमएमडीपी किट प्रदान करना भी सुनिश्चित करें।

पीपल्स लेप्रा फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध करायी जा रही है किट: ज्ञात हो कि वर्ष 2023-24 में कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के अनुमोदन के बाद राज्य में कार्यरत लेप्रा सोसाइटी की उपशाखा पीपल्स लेप्रा फाउंडेशन के द्वारा सभी जिलों को एमएमडीपी किट की खरीद के लिए निर्देशित किया गया था। पिछले दो वर्षों से जिलों द्वारा पीपल्स लेप्रा फाउंडेशन से निरंतर किट की खरीद एवं वितरण किया जा रहा है।

अगमकुआं थाने के ट्रांसपोर्ट नगर के बिजली ऑफिस के पास पकड़ा गया ट्रक

कुरकुरे और सोयाबीन के कार्टन में रखी गई 22 लाख की शराब जब्त

- शराब की यह खेप धनबाद से लायी गयी थी और दरभंगा भेजी जा रही थी
- शराब की बोतलों पर ऑनली सेल फॉर पंजाब अंकित है

केटी न्यूज/पटना

अगमकुआं थाने के ट्रांसपोर्ट नगर के बिजली ऑफिस के पास ट्रक में रखे कुरकुरे व सोयाबीन के कार्टन के नीचे छिपा कर रखी गयी 22 लाख की अंग्रेजी शराब को उत्पाद विभाग की टीम ने जब्त कर लिया। शराब की यह खेप धनबाद से लायी गयी थी और दरभंगा भेजी जा रही थी। इसी बीच उत्पाद विभाग की टीम को इसकी जानकारी हो गयी और फिर छापेमारी कर ट्रक को जब्त कर लिया।

ट्रक चालक गिरफ्तार : साथ ही ट्रक के चालक विनय शंकर पांडेय को गिरफ्तार कर लिया। विनय मूल रूप से भोजपुर के बिहिया के नारायणपुर का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया है। खास बात यह है कि ट्रक का रजिस्ट्रेशन नंबर भी फर्जी है। उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त प्रेम प्रकाश ने बताया कि मोबाइल फोन के माध्यम से जांच की जा रही है।

पंजाब की बनी हुई है शराब : बताया जाता है कि बरामद शराब पंजाब की बनी हुई है। शराब की बोतलों पर ऑनली सेल फॉर पंजाब अंकित है। ट्रक के अंदर सोयाबीन और कुरकुरे के कार्टन में शराब की खेप को पंजाब से पहले धनबाद लायी गयी थी। इसके बाद उसे पटना लाया गया और फिर उसे दरभंगा में किसी को सप्लाई करने के लिए ले जाया जा रहा था। उत्पाद विभाग की टीम ने जब छापेमारी की, तो शराब के कार्टन नीचे रखे हुए थे और सोयाबीन व कुरकुरे के कार्टन ऊपर रखे हुए थे।

पुलिस ने किया ट्रक जब्त : इसके बाद सारे कार्टन को हटा कर चेक किया गया, तो नीचे शराब रखी हुई थी, जिसे जब्त कर लिया गया. इसके बाद चालक को गिरफ्तार कर लिया गया और उसकी ट्रक जब्त कर लिया गया। उत्पाद विभाग की टीम ने 303 कार्टन शराब बरामद की है, जिसकी बाजार में अनुमानित मूल्य 22 लाख रुपये है. उत्पाद विभाग की छापेमारी टीम में निरीक्षक देवेंद्र प्रसाद के साथ एसआइ सोनम कुमारी और दो कांस्टेबल अमन कुमार और नीलम कुमारी शामिल थे.अगमकुआं क्षेत्र में ट्रक से 22 लाख रुपये की पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब जब्त की गई। सोयाबीन और कुरकुरे के कार्टन के नीचे शराब छिपाई गई थी। उत्पाद विभाग ने चालक को गिरफ्तार किया और ट्रक जब्त कर लिया। खेप दरभंगा भेजी जा रही थी। वहीं दूसरी ओर उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस तस्करी में शामिल सभी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

रील्स बनाते गंडक नहर में गिरा युवक, लापता

गोपालगंज। नगर थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह तुरकहा में गंडक नहर पर बने रेल पुल से रील्स बनाते समय 18 वर्षीय युवक का पैर फिसल गया। जिससे वह नहर की तेज धारा में बह गया। लापता युवक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के छपिया वार्ड नंबर 24 निवासी नौशाद अली के बेटे शाहबाज आलम के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों ने बताया कि शाहबाज अपने एक दोस्त के साथ तुरकहा घूमने आया था। जहां दोनों रेलवे ट्रैक के पास गंडक नहर के किनारे खड़े होकर मोबाइल से रील्स बना रहे थे। इसी दौरान शाहबाज का पैर फिसल गया।

राजद ने फाड़ा था महिला आरक्षण बिल : सम्राट

- लालू यादव के 15 वर्षों के शासन में बिहार में अपराध और गुंडागर्दी को संरक्षण मिला

केटी न्यूज/पटना

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक बार फिर राष्ट्रीय जनता दल और लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में महिला आरक्षण बिल लाया गया था, तब राजद के सांसदों ने संसद में उसकी प्रति फाड़कर अपना महिला विरोधी चेहरा उजागर किया था। उन्होंने दावा किया कि बाद में पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने यह ऐतिहासिक बिल पास करवाकर महिला सशक्तीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाया। सम्राट चौधरी ने राजद पर मुसलमानों को गुमराह करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद के

समर्थक अब गरीब मुसलमानों के हक में बने नए वक्फ कानून के खिलाफ भ्रम फैलाकर वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लालू यादव के 15 वर्षों के शासन में बिहार में अपराध और गुंडागर्दी को संरक्षण मिला, जिससे व्यापारी वर्ग खासकर वैश्य समाज को भारी नुकसान हुआ और बड़े पैमाने पर व्यवसायियों का राज्य से पलायन हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू परिवार के लोग वैश्य समाज के प्रतिष्ठानों से सामान जबरन ले जाते थे, यहां तक कि शादी के समय शो रूम से गाड़ियां, गहने और सोफे तक मंगवा लिए जाते थे। उन्होंने कहा कि यह वैश्य समाज भूला नहीं है और न ही बिहार की जनता। महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू राज में महिलाएं असुरक्षित थीं और छात्राओं को स्कूल और कॉलेज जाने में डर लगता था। यही कारण है कि आज महिलाएं राजद को वोट नहीं देतीं।उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने छात्राओं को साइकिल, पोशाक और महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण देकर सशक्तीकरण की दिशा में ठोस कार्य किया है। साथ ही बिहार में पसमांदा मुसलमानों को आरक्षण देने का श्रेय भी एनडीए सरकार को जाता है। सम्राट चौधरी के इस बयान को आगामी चुनावों के मद्देनजर एनडीए की रणनीतिक प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें महिला मतदाताओं और व्यापारी वर्ग को लुभाने की कोशिश की जा रही है।

नहर में नहाने गए 2 लड़के की डूबने से मौत

मोतिहारी। कल्याणपुर थाना क्षेत्र की तिरहुत मेन केनाल में नहाने के दौरान दो किशोर की डूबकर मौत हो गई। हादसे के 20 घंटे बाद सोमवार को 11 बजे एनडीआरएफ की टीम ने नदी से शव बरामद किया।मृतकों की पहचान पकड़ी दीक्षित पंचायत के वार्ड संख्या-7 निवासी उमेश सिंह के बेटे सुमित कुमार (16) और स्वर्गीय मदन राय के बेटे सुमित कुमार (20) के रूप में हुई है। दोनों युवक मोटरसाइकिल से नहर पर नहाने गए थे। वहां पहले से कई स्थानीय बच्चे नहा रहे थे। स्नान के दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूब गए। सूचना पर एसआई शिवनाथ प्रसाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। नहर में तेज बहाव के कारण शव नहीं मिल पाया। घटना की सूचना तुरंत कल्याणपुर सीओ को दी गई। लेकिन काफी देर तक एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर नहीं पहुंची। इससे आक्रोशित होकर लोगों ने चकिया-केसरिया बलिबेलवा मार्ग को जाम कर दिया।

वक्फ विकास योजना अल्पसंख्यक समुदाय के लिए आर्थिक बदलाव की आधारशिला

वक्फ संपत्तियों से बदलेगा बिहार का सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य, योजनाओं को मिल रही रफ्तार

केटी न्यूज/पटना

सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में अल्पसंख्यक समाज के समावेशी विकास की जो मिसाल पेश की गई है, वह न सिर्फ सामाजिक न्याय बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता का भी आदर्श बन चुकी है। खास तौर पर वक्फ संपत्तियों के संरक्षण और विकास को लेकर चल रही योजनाओं ने नया भरोसा जगाया है।

वक्फ संपत्तियों से आर्थिक स्वावलंबन की राह : 2018-19 में शुरू की गई बिहार राज्य वक्फ विकास योजना अब राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय के लिए आर्थिक बदलाव की आधारशिला बन चुकी है। इस योजना के अंतर्गत विवाह भवन, बहुउद्देशीय हॉल, मुसाफिरखाना और बाजार कॉम्प्लेक्स जैसे आधुनिक ढांचों का निर्माण वक्फ जमीनों पर तेजी से हो रहा है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में सीवान और भागलपुर जिलों में ऐसे प्रोजेक्ट्स पर कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इन संरचनाओं के निर्माण से समुदाय को जहां सुविधाएं मिल रही हैं, वहीं आय सृजन के नए स्रोत भी पैदा हो रहे हैं। जिससे पिछले कुछ सालों में आर्थिक प्रगति हुई है।

21 नए आधुनिक मदरसे से होगा शैक्षणिक सुधार: वक्फ संपत्तियों के समानांतर राज्य सरकार 21 नए मदरसों की स्थापना भी कर रही है, जिनमें कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, स्वच्छ पेयजल और शौचालय जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी। यह पहल सिर्फ धार्मिक शिक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीकी शिक्षा के माध्यम से बच्चों को नई दुनिया से जोड़ने की एक ठोस कोशिश है। **बजट में 198 गुना हुई अल्पसंख्यक कल्याण विभाग:** साल 2005 में जहां अल्पसंख्यक कल्याण विभाग का बजट महज 3.53 करोड़ हुआ करता था। वहीं, आज यह बजट 198 गुना बढ़कर प्रभावशाली स्तर पर पहुंच चुका है। इसका असर जमीनी योजनाओं में स्पष्ट दिख रहा है। मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक उद्यमी योजना के तहत युवाओं को 10 लाख तक की सहायता जिसमें 50 फीसद अनुदान और 50 फीसद ऋण दी जाती है। जिससे वे कारोबार शुरू कर सकें। छात्रावास, उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति, मदरसा अनुदान, और कब्रिस्तान की घेराबंदी जैसी योजनाएं शिक्षा, संस्कृति और सुरक्षा के बुनियादी आयामों को मजबूती दे रही है।

वोट बैंक नहीं, वास्तविक विकास : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सोच में अल्पसंख्यकों को केवल वोट बैंक की बजाय विकास का भागीदार बनाना प्रमुख है। अल्पसंख्यक विकास रथ जैसे नवाचारी अभियानों के जरिए योजनाओं की जानकारी दूरदराज के गांवों तक पहुंचाई जा रही है, जिससे हजारों युवाओं और महिलाओं को वास्तविक लाभ मिला है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान ने स्पष्ट किया है कि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अतिक्रमण पर कठोर कार्रवाई हो रही है और विकास के जरिए इन जमीनों को समुदाय की ताकत में बदला जा रहा है। इसी दिशा में सरकार की ओर से लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसमें आर्थिक बदलाव दिख रहा है।

संक्षिप्त समाचार

108 एंबुलेंस सेवा रोकी, महिला कर्मी घंटों ऑफिस में रहीं बंद

रांची, एजेंसी। आपातकालीन चिकित्सा एबुलेंस सेवा के कॉल सेंटर के अचानक हुए घेराव व कार्यालय के मुख्य गेट को ब्लॉक किए जाने के मामले में डोरंडा थाना में 29 जून को प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राथमिकी राजेश कुमार केसरी ने नीरज तिवारी व अन्य अज्ञात के विरुद्ध दर्ज कराई है। जिसमें बताया है कि एंबुलेंस सेवा का संचालन सम्मान फाउंडेशन की ओर से किया जाता है। उसके कॉल सेंटर और ऑपरेशनल ऑफिस में हंगामा किया गया। आरोप है कि कंपनी के कर्मचारी नीरज तिवारी अपने साथियों के साथ अचानक ऑफिस पहुंचा। दोनों मुख्य गेट को घेरकर ब्लॉक कर दिया। अंदर मौजूद महिला कर्मचारियों समेत सभी कर्मी कई घंटे तक फंसे रहे। बाहर के कर्मियों को अंदर नहीं आने दिया गया। अंदर वालों को बाहर नहीं निकलने दिया गया। धमकी दी गई कि जो जहां है, वहीं रहे, नहीं तो अंजाम बुरा होगा। इस घटना से आपातकालीन 108 एम्बुलेंस सेवा घंटों तक बाधित रही। नीरज तिवारी पर लगातार अनुशासनहीनता, कार्य में शिथिलता, मनमानी, सरकारी गाड़ियों को नुकसान पहुंचाने, वाहन मरम्मत में बाधा डालने और जिलों में गलत सूचना फैलाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

केंद्र सरकार क्षत्रिय आयोग का गठन करे : विनय सिंह

रांची, एजेंसी। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा झारखंड प्रदेश इकाई का पुनर्गठन किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष के पद पर विनय कुमार सिंह को मनोनीत किया गया है। दलादली चौक के एक रिसॉर्ट में रविवार को कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन रविवार को किया गया। राष्ट्रीय स्क्रीनिंग कमेटी की अनुशंसा पर राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा झारखंड प्रदेश इकाई का पुनर्गठन किया गया है। विनय कुमार सिंह को प्रदेश अध्यक्ष, आदर्श सिंह को युवा प्रदेश अध्यक्ष और मनीषा सिंह को महिला प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा केवल एक सभा नहीं, बल्कि एक विचारधारा है। यह हमारी संस्कृति, परंपरा और स्वाभिमान का प्रतीक है। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर ने कहा कि क्षत्रिय केवल एक जाति का नाम नहीं है। यह कर्तव्य है, एक दृष्टिकोण है और सबसे बढ़कर यह संरक्षण की भावना का प्रतीक है। महिला प्रदेश अध्यक्ष मनीषा सिंह ने महिलाओं के उत्थान तथा आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़े लोगों के आरक्षण 10प्रतिशत से बढ़कर 25प्रतिशत किए जाने पर बल दिया। सम्मेलन में प्रस्ताव पारित करते हुए अध्यक्ष ने मांग की कि केंद्र सरकार राजपूत कल्याण बोर्ड का गठन करे, क्षत्रिय आयोग बनाया जाए, क्षत्रिय महापुरुषों की इतिहास के साथ छेड़छाड़ न किया जाए। इसके अलावा मनोज सिंह को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, शिवव्रत सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों का चुनाव किया गया।

सांख्यिकी दिवस पर मनी महालनोबिस की जयंती

गिरिडीह, एजेंसी। 131वें राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर रविवार दोपहर 2.30 बजे मेन रोड झंडा मैदान के पास स्थित भारतीय सांख्यिकीय संस्थान भवन में प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। बताया गया कि महालनोबिस को महान गणितज्ञ और सांख्यिकी शिक्षा का पितामह कहा जाता है। प्रोफेसर महालनोबिस का जन्म 29 जून 1893 को कलकत्ता में हुआ था। उन्होंने 1931 में भारतीय सांख्यिकीय संस्थान की स्थापना की थी। सरकार ने उन्हें भारतीय सांख्यिकी का जनक घोषित किया था। हर साल 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है। यह दिवस पहली बार 29 जून 2007 को मनाया गया था। यह दिन महालनोबिस के आर्थिक नियोजन और सांख्यिकी विकास में योगदान के सम्मान में मनाया जाता है। कार्यक्रम में बिनोद बिहारी महतो कोलंचल विश्वविद्यालय धनबाद के सिंडिकेट सदस्य रंजीत राय ने कहा कि शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में महालनोबिस का योगदान अमूल्य है। हमें उनके विचारों और कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर संस्थान के प्रोफेसर इंचार्ज डॉ. प्रदीप भट्टाचार्या, मो. नकीब अख्तर, प्रदीप कुमार एक्का, रमेश कुमार, समशूल होदा, विकास कुमार किस्कू, अधिवक्ता मीरा कुमारी, उदय कुमार, पंकज कुमार, राकेश, सुमित, गौरव, सोनाली सहित कई लोग मौजूद रहे।

वन विभाग जिले में लगाएगा एक लाख फलदार-औषधीय पौधे

गिरिडीह, एजेंसी। ग्रीन क्रेडिट योजना के तहत गिरिडीह जिले के पूर्वी वन प्रमंडल क्षेत्र में खाली पड़ी वनभूमि पर एक लाख फलदार पौधा लगेगा। इसकी तैयारी में वन विभाग जुट गया है। इस योजना का खास पहलू ये हैं कि इसमें सिर्फ फलदार पौधे लगाए जाएंगे। इसमें छोटे पौधे नहीं बल्कि 5-6 फीट के पौधे लगाए जाएंगे। ताकि, कम समय में वह पेड़ का रूप ले सके। इसके तहत सारे पौधे फलदार, छायादार और औषधीय गुणों वाले होंगे।

इसके लिए पूर्वी वन प्रमंडल के बेलाटांड़, चितनखारी, मरगोड़ा, तिग्गोजोरी, बगदाहा और खूंटा गांवों में खाली पड़े वन भूमि को चयनित कया गया है, जहां पौधरोपण के लिए पिट तैयार कर लिया गया है। पौधरोपण के बाद उसकी सुरक्षा के लिए ?कंटीले तार से पूरे पैच की घेराबंदी की जाएगी। इसमें कम से कम पांच हेक्टेयर में फैली भूमि में एक पैच का निर्माण करना है। ताकि, पौधरोपण के बाद वनों का घनत्व तेजी से बढ़े और उसका लाभ कम समय में ग्राम वासियों को मिलने लगे। इस तरह का पहला प्रयोग गिरिडीह जिले में होने जा रहा है। इससे पूर्व वन विभाग की ओर से हर वर्ष छोटे-छोटे पौधे लगाए जाते थे,? जिन्हें पेड़ बनने में काफी वक्त लग जाता था, लेकिन ग्रीन क्रेडिट योजना के तहत लगने वाले बड़े पौधों का लाभ जल्द ही लोगों को नजर आने लगेगा। बता दें कि गिरिडीह राज्य का पहला जिला है जहां इस योजना को धरातल पर उतारने की तैयारी है।

जुलाई में होगी शुरुआत

जुलाई माह में होने वाले बारिश के बीच एक लाख पिट में पौधरोपण का काम शुरू हो जाएगा। करीब एक माह का वक्त पौधा रोपण के साथ उसकी घेराबंदी में लगेगी। इसे लेकर रेंज ऑफिसर एसके रवि ने बताया कि भारत सरकार ने यह योजना वर्ष 2023 में शुरू किया था। पूर्वी वन प्रमंडल के डीएफओ मनीष कुमार तिवारी के प्रयास से राज्य का पहला जिला गिरिडीह है,जिसे इस बार लिया गया है। जहां पर योजना को धरातल में उतारा जा रहा है। इस योजना में लगे पौधों के रख-रखाव में बहुत कम खर्च आने की संभावना है। इसमें एक हेक्टेयर में 1100 पौधे लगाए जाएंगे।

योजना से खाली वन भूमि में लौटेगी हरियाली

डीएफओ पूर्वी वन प्रमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार तिवारी ने कहा कि ग्रीन क्रेडिट योजना भारत सरकार के पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से पूरे देश में चलाया जा रहा है। इसी के तहत इस बार गिरिडीह जिले का चयन हुआ है। जिसे लेकर पूर्वी वन प्रमंडल में काम भी शुरू हो गया है। यह अपने आप की अनोखी योजना है, जिसके तहत बड़े पौधे लगेंगे। जिसके रख-रखाव में वन कर्मियों को अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। इसकी सुरक्षा में ग्रामीणों को भी अपना योगदान देना होगा। इसे खाली पड़े वन भूमि पर फिर से हरियाली लौटेगी।

हजारीबाग में सांसद तीर्थ दर्शन योजना की शुरुआत, 180 श्रद्धालुओं का जत्था तीर्थ यात्रा पर रवाना

हजारीबाग, एजेंसी। सांसद मनीष जायसवाल ने सांसद तीर्थ दर्शन योजना की शुरुआत की है। सांसद के निजी प्रयास से इस योजना की शुरूआत की की गई है। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि इनका उद्देश्य हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के उन बुजुर्गों और वंचित लोगों को सम्मान और अवसर प्रदान करना है, जो लंबे समय से तीर्थ यात्रा की कामना कर रहे थे। यह योजना क्षेत्र के पुत्र के रूप में मुझे अपने बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर देगी। संसद का यह भी कहना है कि यह तीर्थ यात्रा तब तक चलेगी, जब तक ऊपर वाले इसकी शक्ति देते रहेंगे।

180 श्रद्धालुओं का जत्था तीन बसों से हुआ रवाना : रविवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के 180 श्रद्धालु तीन वातानुकूलित बसों में सवार होकर नृसिंह बाबा का आशीर्वाद प्राप्त कर देश के चार प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा के लिए रवाना हुए। श्रद्धालुओं को उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज (संगम) और विंध्याचल के दर्शन कराए जाएंगे। साथ ही श्रद्धालुओं को गंगा और सरयू नदी में स्नान के साथ महाआरती दर्शन करने का अवसर मिलेगा।

हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि इस योजना को हर एक पंचायत में ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के शक्ति केंद्र के सदस्य तीर्थ यात्रियों का चयन करेंगे। महीने में छह बार चलने वाली यह यात्रा तीन दिन और चार रात की होगी।

लोगों ने सांसद की पहल का स्वागत किया : वहीं सांसद मनीष जायसवाल के इस पहल का क्षेत्र के लोगों ने स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि तीर्थ करने का सपना भाजपा सांसद ने पूरा कर दिया है। अयोध्या में प्रभु श्री राम का दर्शन करने की जो इच्छा थी, वह अब पूरा होने वाली है। वहीं कई लोगों ने कहा कि हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने यह साबित कर दिया कि वह पूरे हजारीबाग वासियों को अपना परिवार समझते हैं तभी तो तीर्थ कराने का बीड़ा उठाया है।

झामुमो की बैठक में महिला मोर्चा का हुआ गठन, पिंकी बनीं अध्यक्ष

गिरिडीह, एजेंसी। रविवार को सरिया जैन धर्मशाला में झामुमो प्रखंड कमेटी की बैठक हुई। मुख्य अतिथि झामुमो के जिला उपाध्यक्ष त्रिभुवन मंडल रहे। संचालन प्रखंड अध्यक्ष अशोक मंडल ने किया। बैठक में संगठन को मजबूत करने और विस्तार पर चर्चा हुई। महिला मोर्चा का गठन किया गया। सरिया मंदरामो पूर्वी की मुखिया पिंकी देवी को महिला मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया।

त्रिभुवन मंडल ने कहा, झारखंड सरकार जनहित में कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। मईया योजना का लाभ दूर-दराज की महिलाओं तक पहुंच रहा है। पिंकी देवी ने कहा, झामुमो सरकार राज्य के हित में बेहतर काम कर रही है। गांव की महिलाओं को सशक्त किया जा रहा है। मईया सम्मान योजना से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। सभी समुदायों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं जमीन पर दिख रही हैं। आने वाले दिनों में सरकार महिलाओं को और सशक्त बनाएगी। बैठक में प्रखंड कमिटी का विस्तार किया गया। अल्पसंख्यक मोर्चा, व्यवसायी मोर्चा, महिला मोर्चा समेत अन्य मोर्चों के पंचायत स्तर पर अध्यक्ष, सचिव और अन्य पदाधिकारियों का चयन किया गया। सभी को संगठन को मजबूत करने का निर्देश दिया गया। मौके पर गिरधारी पासवान, काजिम अंसारी, कृष्ण मुरारी पांडेय, लक्ष्मी कुमारी, केदार दास, छट्ठू रविदास, सुखदेव मुरम्मू, किशोर सोरेन, पंकज यादव, बलदेव विश्वकर्मा, पिंटू मोदी, जगदीश टुड्डू, रफीक अंसारी, विजय पांडेय, नूर मोहम्मद, हरखू मंडल समेत कई मौजूद रहे।

खूंटी में ग्राम प्रधान बलराम मुंडा की हत्या

पहले गोली मारी फिर धारदार हथियार से काटा, तेज बारिश के बीच अपराधियों ने घर में मचाया तांडव

खूंटी, एजेंसी। खूंटी जिले के मारंगहादा थाना क्षेत्र के काड़ेतुबिद गांव में ग्राम प्रधान और भाजपा नेता बलराम मुंडा (47) की हत्या कर दी गई। अपराधियों ने बलराम को गोली मारने के बाद धारदार हथियार से काट दिया। पुलिस ने इस मामले में 10 लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें गांव के दो लोग और एक मिशनरी स्कूल का शिक्षक शामिल हैं। हत्या के पीछे अफीम लूट और पुलिस की कार्रवाई से नाराजगी को कारण माना जा रहा है।

बताया गया कि करीब 11 बजे तेज बारिश के बीच 10-12 अपराधियों ने बलराम मुंडा के घर को घेर लिया। इसके बाद पीछे के रास्ते दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गए। उन्होंने बलराम को कब्जे में लिया। उनकी बड़ी बहन बॉबी मुंडा को पास के घर में बंद कर दिया। पर, बहन का पति सिरका हस्सा भाग निकला। बलराम की बुजुर्ग मां अंगी मुंडाइन का गला दबाने की कोशिश की गई।

बलराम का भांजा अचू मुंडा (25) हमले में घायल हो गया। अपराधियों ने घर की तलाशी लेते हुए सामान तहस-नहस कर दिया। जब उन्हें कुछ नहीं मिला, तो बलराम से कहासुनी हुई। अचानक अपराधियों ने उसे सीने में गोली मारी और धारदार हथियार से काट डाला। हमलावर करीब आधे घंटे तक घर में रहे। एसडीपीओ वरुण रजक ने बताया कि मामले की गहन जांच चल रही है। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ जारी है। जल्द ही सभी दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लोगों में आक्रोश, अंतिम संस्कार आज होगा : घटना की खबर फैलते ही कई भाजपा कार्यकर्ता पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने परिजनों को सांत्वना दी। बलराम दो बार पंचायत समिति के सदस्य रह चुके थे और वर्तमान में भाजपा ग्रामीण मंडल में मंत्री थे। उनका एक भाई सेना में है। उनके आने के बाद आज अंतिम संस्कार होगा। बलराम अपने पीछे पत्नी, मां और तीन बच्चे छोड़ गए हैं।

चार पिस्टल, गोली और धारदार हथियार बरामद : पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया। इनमें काड़ेतुबिद के बीरबल मुंडा, सिनू मुंडा, गाड़ामाड़ा के शिक्षक बुधराम हस्सा, सिदमा के केदार मुंडा, मुटूदा के अलीफ पूर्ति, कुबरसाल के अभिषेक हस्सा, गितिलबेड़ा के पाव पाहन, कोजरोंग के पतरस पाहन, जोरको के पलटन मुंडा व बंदगांव के पुष्पेंद्र यादव शामिल हैं। इनके पास से 4 पिस्टल व धारदार हथियार मिले हैं। पांच लोग मोहना टोली से पकड़े गए।

हमले का मकसद अफीम लूटना था : पुलिस जांच में पता चला कि हमले का मकसद अफीम लूटना था। बलराम ने दो दिन पहले घर के बाहर अफीम सुखाया था। किसी ने यह देख लिया। इसके बाद शनिवार को मारंगहादा साप्ताहिक हाट में हत्या और लूट की साजिश रची गई। अपराधियों को शक था कि बलराम की सूचना पर पुलिस ने गांव के अफीम खेत नष्ट किए थे, जिससे कई लोगों की फसलें बर्बाद हुई थीं। बलराम पुलिस के संपर्क में रहते थे, जिससे अपराधी उनसे नाराज थे। इस साल पुलिस की कार्रवाई में क्षेत्र के कई अफीम खेत नष्ट हुए थे, जिसका गुस्सा हमलावरों में था।

मर्सी अस्पताल ने की मेडिकल सेमिनार डायलिसिस सहित अन्य सेवाएं शुरू

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह के पहले मल्टी स्पेशलिटी बैंक्वेट में पहला मेडिकल सेमिनार आयोजित हुआ। इसमें कोलकाता से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों ने किडनी रोग और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में हुए नए चिकित्सा विकास की जानकारी दी। नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि क्रॉनिक किडनी डिजीज देश में तेजी से बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण अनियंत्रित ब्लड शुगर, हाई ब्लड प्रेशर, अधिक नमक और खराब जीवनशैली है।

उन्होंने नई दवाओं और डाइट प्लान से इलाज के तरीकों की जानकारी दी। डॉ. कुमार ने किडनी ट्रांसप्लांट से पहले और बाद की देखभाल के नए दृष्टिकोण भी बताए। सेमिनार में बताया गया कि मर्सी हॉस्पिटल की अत्याधुनिक डायलिसिस यूनिट शुरू हो चुकी है। यह यूनिट डॉ. सुनील कुमार के मार्गदर्शन में बनी है। यह गिरिडीह और आसपास के मरीजों को सस्ती और अच्छी डायलिसिस सेवा देगी। जनरल और लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. फोरकान बाबू शेख ने लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की नई तकनीकों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक से अब जटिल सर्जरी भी आसान हो गई है। डॉ. फोरकान अब तक 7000 से ज्यादा पित्ताशय और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी कर चुके हैं। मर्सी हॉस्पिटल में अनुभवी विशेषज्ञ लगातार सेवाएं देते रहेंगे। हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि दो महीने में इमरजेंसी आईसीयू और इनडोर सेवाएं भी शुरू होंगी।

इससे मरीजों को एक ही जगह पर बेहतर इलाज मिलेगा। सेमिनार में गिरिडीह के कई डॉक्टरों और मरीजों ने हिस्सा लिया। उन्होंने विशेषज्ञों से सवाल पूछे और जानकारी ली। मर्सी हॉस्पिटल के निदेशक मंडल रंजीत कुमार गौड़, नीरज शाहाबादी, विश्वजीत सिंह गुड्डू, साहिल सालूजा आदि मौजूद थे।

ड्रग पैडलर्स के खिलाफ चतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, लाखों के ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, मास्टरमाइंड फरार

चतरा, एजेंसी। ब्राउन शुगर तस्करों के विरुद्ध चतरा पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अवैध ब्राउन शुगर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 286 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तस्करी में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक माप-तौल मशीन और विभिन्न कंपनियों का पांच मोबाइल फोन जब्त किया है। जब्त ब्राउन शुगर की कीमत करीब 60 लाख रुपये आंकी गई है। चतरा एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने इस कार्रवाई की पुष्टि की है।

एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में गठित गिद्धौर थाना पुलिस की टीम की कार्रवाई में यह सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि गिद्धौर थाना क्षेत्र के फुटबॉल मैदान के समीप से अभियान चलाकर पुलिस ने दोनों तस्करों को गिरफ्तार किया है। हालांकि इस दौरान गिरोह का मास्टरमाइंड पुलिस को चकमा देकर मौके से भागने में सफल रहा। एसपी ने बताया कि उसकी गिरफ्तारी को लेकर विशेष छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि ड्रग पैडलरों के द्वारा बड़े पैमाने पर अफीम और ब्राउन शुगर की तस्करी की जा रही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में गिद्धौर तेली टोला निवासी अभिमन्यु कुमार साव और प्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जोगियारा के नौकाडीह गांव निवासी नितेश कुमार उर्फ त्रिवेणी उर्फ वेणी शामिल हैं।

एसपी ने बताया कि अफीम तस्करी सिंडिकेट से जुड़े माफिया को चिन्हित कर लिया गया है। इस ग्रुप में शामिल बड़े माफिया दूसरे शहरों से अफीम और ब्राउन शुगर लाकर चतरा में तस्करों के बीच सप्लाई करते हैं। ऐसे माफियाओं को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की तैयारी है। उन्होंने बताया कि नशे के माफियाओं के द्वारा तस्करी से अर्जित संपत्ति को पुलिस जब्त करने की तैयारी में है।

गिरिडीह के लिए खुशखबरी! जल्द शुरू होगा ओपन कास्ट माइंस से उत्पादन

गिरिडीह, एजेंसी। पिछले ढाई साल से बंद सीसीएल गिरिडीह कोलियरी का ओपन कास्ट माइंस क्षेत्र के खुलने की संभावना फिर से बढ़ गई है। दरअसल, ओपन कास्ट माइंस को सीटीई (कंसेंट टू एस्टेब्लिश) मिल चुकी है। 24 जून को झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मेंबर सेक्रेटरी राजीव लोचन बक्शी द्वारा सीटीई निर्गत किया गया है।

सीटीई मिलने के बाद अब सीटीओ (कंसेंट टू ऑपरेट) के लिए झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में सीसीएल गिरिडीह कोलियरी प्रबंधन की ओर से अप्लाई किया गया है। सीटीओ निर्गत होते ही ओपेन कास्ट माइंस से कोयला उत्पादन की स्वीकृति मिल जाएगी।

सितंबर से शुरू हो सकता है उत्पादन : इस मामले पर गिरिडीह कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी गोपाल सिंह मीणा ने बताया कि सीटीओ के लिए आवेदन कर दिया गया है। उम्मीद है कि जल्द जुलाई महीने में ही सीटीओ निर्गत हो जाएगा। इसके बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी और ऐसी संभावना है कि सितंबर अक्तूबर में उत्पादन शुरू हो सकता है।

रोजगार के बढ़ेंगे अवसर : पीओ गोपाल सिंह मीणा ने बताया कि निश्चित तौर पर माइंस शुरू होगा तो आउटसोर्सिंग से 10 लाख टन ओबी एवं 7 लाख टन कोयला निकाला जाएगा। आउटसोर्सिंग का जो मैनपावर रहेगा वह 130 के करीब रहेगा। बाकी रोड़ सेल चलेगा जिससे स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रुप से सैकड़ों लोग रोजगार से जुड़ेंगे।

मंत्री से लेकर सांसद - विधायक का रहा प्रयास : सीसीएल गिरिडीह कोलियरी के ओपेनकास्ट माइंस से तकनीकी अड़चन के बाद, जनवरी 2023 से कोयला उत्पादन बंद है। इसे फिर से चालू कराने को लेकर, गिरिडीह

विधायक और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के द्वारा प्रयास किए जा रहे थे। इनके प्रयासों से ही जिला स्तर की उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई थी। जिसके बाद ओपन कास्ट माइंस को पर्यावरण की मंजूरी मिली।

क्या कहते हैं श्रमिक नेता? : इधर, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ (इंटक) सीसीएल गिरिडीह क्षेत्र के अध्यक्ष सह संयुक्त सलाहकार संचालन समिति सदस्य ऋषिकेश मिश्रा, जो कांग्रेस के प्रदेश सचिव भी है इन्होंने कहा कि सीसीएल के पदाधिकारियों ने काफी प्रयास किया। वही मंत्री सुदिव्य कुमार के साथ साथ विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन का भी विशेष योगदान रहा है।

माइंस बंद होने की वजह से लोग करने लगे थे पलायन : अब सीसीएल यहां से विभागीय उत्पादन करें, ताकि यहां कार्यरत सीसीएल कर्मियों का तबादला दूसरी जगह नहीं हो सकें। झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष हरगौरी साहू का इस मामले में कहना हैं कि माइंस बंद होने की वजह से, लोग पलायन करने लगे थे लेकिन अब माइंस के आरम्भ होने की संभावना बढ़ी है तो लोगों ने राहत ली है।

स्थानीय लोगों की जीवन धारा है मांइस : दरअसल, गिरिडीह कोलियरी का ओपन कास्ट माइंस क्षेत्र की बड़ी आबादी इसी पर निर्भर है। माइंस से कोयला उत्पादन होता रहा तो लोगों को रोजगार भी मिलता रहेगा। ट्रकों पर कोयला लोडिंग करने वाले मजदूर, ट्रक मालिक, ड्राइवर, खलासी, लोकल सेल सरदार, दुकानदार - ठेला - खोमचा वाले सभी को आर्थिक लाभ हो रहा था लेकिन लगभग ढाई साल पहले यह माइंस बंद हो गई थी। माइंस बंद होने के बाद यहां बेरोजगारी बढ़ीं जिससे कई लोग दूसरे राज्यों में पलायन कर गए।

सुभाषितम्

लोग आपके साथ सच्चा व्यवहार करें तो आप खुद सच्चे बनें और अन्य लोगों से भी सच्चा व्यवहार करें। - महर्षि अरविन्द

अधिकारों व न्याय संघर्ष के लिए एक प्रेरणा है हूल

संथाल विद्रोह या हूल विद्रोह ब्रिटिश औपनिवेशिक व्यवस्था के विरुद्ध प्रथम व्यापक सशस्त्र विद्रोह था जो ब्रिटिश शासन काल में जमींदारों तथा साहूकारों द्वारा किये जाने वाले अत्याचारों के खिलाफ किया गया था। हूल विद्रोह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना है जिसने न केवल ब्रिटिश शासन के खिलाफ आदिवासी प्रतिरोध को उजागर किया, बल्कि आदिवासी अधिकारों और शोषण के खिलाफ संघर्ष के लिए एक प्रेरणा भी प्रदान की। यह विद्रोह आज भी प्रासंगिक है क्योंकि आदिवासी समुदायों को आज भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, और यह विद्रोह उनके अधिकारों के लिए लड़ने और न्याय प्राप्त करने के लिए एक प्रेरणा प्रदान करता है। यह ब्रिटिश शासन के खिलाफ पहला संगठित आदिवासी विद्रोह था। इसने आदिवासी समुदायों द्वारा सामना किए जा रहे शोषण को उजागर किया और भारत में बाद के आदिवासी आंदोलनों को प्रभावित किया। हुल का अर्थ होता है विद्रोह या क्रांति। यह शब्द संथाल आदिवासी समुदाय द्वारा उनके अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए ब्रिटिश शासन के खिलाफ लडे गए, संघर्ष को दशार्ता है। इतिहासकार वाल्टर हॉउजर ने अपनी पुस्तक आदिवासी एंड द राजः सोसियो एकोनोमिक ट्रांजिक्शन आफ द संथाल इन ईस्टर्न इंडिया में संथाल हूल विद्रोह या हुल विद्रोह को हक की लड़ाई और ब्रिटिश सरकार के नीतियों के खिलाफ संघर्ष के रूप में देखा। जब अंग्रेजी हुकूमत के आगमन के बाद, जमींदारी प्रथा ने संथालों की जमीनों पर कब्जा कर लिया। आदिवासी समुदाय को उनकी जमीनों से बेदखल कर दिया गया और अत्यधिक करों और उच्च ब्याज दरों पर ऋण लेने के लिए मजबूर किया गया। साथ ही कर को इतना अधिक बढा दिया गया कि कर चुकाना भी मुश्किल हो जाता था। ब्रिटिश भी इतने थे कि शातिर थे कि अगर जो भी कर चुका नही पाता था तो उस पर मुकदमा चलाया जाता, जिससे और अधिक प्रताड़ित किया जाता था। ब्रिटिश अत्याचारों से संतालों की सामाजिक और सांस्कृतिक तानाबाना को प्रभावित हो रही थी।अंग्रेजों द्वारा नियोजित कर-संग्रह करने वाले महाजन जमींदार बिचौलियों के रूप में अर्थव्यवस्था पर हावी हो गए। कई संथाल भ्रष्ट धन उधार प्रथाओं के शिकार हो गए। उन्हें अत्यधिक दरों पर पैसा उधार दिया गया था। जब वे कर्ज चुकाने में असमर्थ थे, तो उनकी जमीनों को जबरन छीन लिया गया और उन्हें बंधुआ मजदूरी के लिए मजबूर कर दिया गया। 30 जून 1855 को, इनलोगों ने लगभग 60,000 संथालों को लामबंद किया और ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ विद्रोह की घोषणा की। विद्रोह का नेतृत्व चार मूर्मू भाइयों - सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव तथा दो जुड़वां मूर्मू बहनें - फूलो और झानो ने किया। इनलोगों के नेतृत्व में 30 जून, 1855 ई.को वर्तमान साहेबगंज ज़िले के भगनाडीह गांव से प्रारंभ हुए इस विद्रोह के मौके पर सिद्धू ने घोषणा की थी- करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो।इस आशय का प्रस्ताव भागलपुर के कमिश्नर को सौंपा था। यह घोषणा महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन से 57 साल पहले दिया गया था। यह क्रांति झारखंड के वर्तमान साहेबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से शुरू हुई और उत्तर-पश्चिम में भागलपुर और दक्षिण में कोलकाता के आसपास तक फैल गई। इसकी शुरूआत लगभग 10,000 युवाओं के उत्पात मचाने से हुई, लेकिन यह धीरे-धीरे बढ़ती गई और सात महीने की अवधि में इसमें लगभग 20 गुना लोग शामिल हो गए। निश्चित रूप से, इस क्रांति ने एक मिसाल कायम की और इस क्षेत्र में भविष्य के विद्रोहों पर इसका प्रभाव पड़ा,जिसमें 19वीं सदी के उत्तरार्ध में मुंडा विद्रोह भी शामिल है। आदिवासी क्षेत्रों में, अंग्रेज अपनी शोषणकारी गतिविधियों को लगभग पूरी तरह से जमींदारों को सौंप देते थे, कभी-कभी गरीबों को होने वाले नुकसान की मात्रा का एहसास भी नहीं करते थे। आदिवासियों के लिए, तत्काल हमलावर दिकू था - कोई भी बाहरी व्यक्ति जो उनके संसाधनों पर अतिक्रमण करता था। इसलिए, आदिवासियों का प्राथमिक संघर्ष हमेशा जमींदारों के खिलाफ होता था। लेकिन जैसे ही जमींदारों पर हमला होता, ब्रिटिश प्रशासन आदिवासियों पर कहीं अधिक अत्याचार करता, जिससे यह एक अंतहीन परीक्षा बन जाती। ऐसे मामलों में, आदिवासियों के पास अक्सर हिंसक प्रतिशोध के अलावा कोई विकल्प नहीं होता था 30 जून 1855 को हुल! हुल! के नारे के साथ कान्हू और सिद्धो ने 10,000 संथाल युवकों के एक समूह का नेतृत्व किया।

चिंतन-मनन

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै। वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं।

रोगी के लिए स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर्स

- ललित गर्ग

स्वस्थ जीवन हर किसी की सर्वोच्च जीवन प्राथमिकता होता है। कहा भी गया है कि, सेहत सबसे बड़ी पूंजी है। स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है। वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर्स डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिये मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरूआत की गई थी। यह दिन उन डॉक्टरों को समर्पित होता है जो हमारी सेहत का ध्यान रखते हुए हमें नया जीवनदान देते हैं। साथ ही हमें बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। हल्का सा भी हम अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर के पास भागते हैं। 2025 की थीम है ह्यमास्क के पीछेः देखभाल करने वालों की देखभालह्न उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टर्स द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। एक डॉक्टर मरीज को स्वस्थ करते हुए आशा नहीं खोता-वह हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना करता है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न हो। वास्तव में डॉक्टर्स की निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनते हैं और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। डॉक्टर्स डे डॉक्टरों द्वारा समुदायों के उपचार, सुरक्षा और समर्थन में अक्सर बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है। डॉक्टर्स न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफेशनल्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। सामान्य चिकित्सकों से लेकर विशेषज्ञों और सर्जनों तक, यह दिन उन सभी का सम्मान करता है जिन्होंने उपचार और सेवा करने की शपथ ली है। इस दिवस पर मरीज और समुदाय भी कृतज्ञता और आशा की कहानियां साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। जैसाकि भारत नई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एक उत्सव और एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जहां डॉक्टरों को न केवल देखभाल करने वाले के रूप में सम्मानित किया जाता है, बल्कि बदले में उनकी सुरक्षा, सम्मान और देखभाल भी की जाती है। डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं जो सिर्फ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, चिकित्सा नवाचार, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके, नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉक्टरों की भूमिकाएं उनके काम करने के स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अस्पतालों में, वे विशेष उपचार या आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। क्लीनिकों और ग्रामीण केंद्रों में, वे अक्सर सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चिकित्सा सहायता दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुँचे। इन विविध जिम्मेदारियों के माध्यम से, डॉक्टर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, तथा हर दिन सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भारत चिकित्सा नवाचार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता है। भारत देश केवल एक विशाल आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि इसने चिकित्सा-क्रांति को घटित करते हुए दुनिया में चिकित्सा-सेवा के नये दीप प्रज्वलित किये हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है, फिर भी आप इसे बड़ी सहजता से और हमेशा मुस्कुराते हुए करते हैं। हर कोई डॉक्टर नहीं बन सकता क्योंकि हर किसी के पास मरीजों को निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए ज्ञान, कौशल और धैर्य नहीं होता। हर बीमारी के लिये एक एक्सपर्ट होता है। अगर आपको सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार या फिर मौसमी बीमारी ने जकड़ लिया है तो आपको फिजिशिनय या जनरल फिजिशियन से मिलना चाहिए। वहीं आंख, कान, नाक, टॉन्सिल, सिर या गर्दन की समस्या के लिये ईएनटी स्पेशलिस्ट होते हैं। ये साइनस का भी इलाज करते हैं। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई दिक्कत है तो कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना बेहतर होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर आप इन डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा अगर आप तनाव में रहते हैं तो साइकोलॉजिस्ट से मिलना होता है। कैंसर की बीमारी के लिये आपको ओन्कोनोजिस्ट के पास जाना चाहिए। अगर आपको आंखों में कोई समस्या है, जलन, खुजली, रेडनेस या इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं तो इसके लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, या फिर ब्रेस्ट, यूटीआई, पीरयड्स, की समस्या हो रही है तो गायनोकोलॉजिस्ट की मदद लें। दिमागी बीमारी के लिये न्यूरोलॉजिस्ट के पास जाने की सलाह दी जाती है। कई बार सही डॉक्टर से समय पर इलाज न मिलने की वजह से भी बीमारी और बढ़ जाती है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं मानवीयता जैसे सभी पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने एवं उनको स्वस्थ बनाने के लिए अनुभवी एवं विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवाएं वरदान है। डॉक्टर्स भगवान का रूप होते है।

चीन नहीं देश सर्वोपरि है भारत माता में हूँ नतमस्तक

- संजय गोस्वामी

शंघाई सहयोग संगठन (रउड) के रक्षा मंत्रियों की बैठक चीन के चिंगदाओ में 25-26 जून को आयोजित की गई थी।बैठक के दौरान रउड के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकरोधी प्रयासों और रक्षा मंत्रालयों के बीच बढ़ते सहयोग जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।बैठक में उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। उन्होंने बैठक से अलग चीन और रूस के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठक की।रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमापार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के लिये वित्त पोषण किसी भी कीमत पर बंद होना चाहिए।उन्होंने आतंकवाद, कट्टरता और चरमपंथ के विरूद्ध एकीकृत वैश्विक कार्रवाई का आह्वान किया।इस बैठक में भारत के कुछ मुद्दों पर आम सहमति नहीं बन पाने के कारण साझा दस्तावेज को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका।अतः वहाँ सब पाकिस्तान के मित्र देश थे जिससे सहमति नहीं बनी चीन भारत का दोस्त नहीं दुश्मन है क्योंकि वह ऑपरेशन सिंदूर में खुल कर पाकिस्तान को घातक हथियार दिए और उस वजह से भारत को नुकसान भी हुआ उन भारतीय सैनिक के दिल से पूछिए की पाकिस्तान अभी भी कश्मीर में आतंकवादी को भेज रहा है और इन आतंकवादी को चीन हीं हथियार भी दे रहा है इसलिए भारत को वहीं जाना चाहिए जहाँ चीन और पाकिस्तान ना हो ये दोनों एक हीं सिक्के के दो पहलू हैं अब हस्ताक्षर ना करना भी इस बात को दशार्ता है कि आपकी नहीं सुनी गई भारत एक लोकतान्त्रिक देश है और 140 करोड़ देशवासियों ' देश है और भारत किसी का गुलाम ल्लैं है कि वो सिखायेगा कि भारत को क्या करना है भारत के सैनिको में जबरदस्त जोश है और किसी भी स्थिति से लड़ने को तैयार है और टेक्नोलॉजी में भी किसी देश से कम नहीं है ये ह्न अमेरिका का बी -2 बमर है उसका डिजाइन भी भारतीय ने किया है ये अलग बात है टेक्नोलॉजी दूसरे देश को देने के कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया अमेरिका में जितने युद्ध के हथियार है अधिकतर को हमारे देश के वैज्ञानिक के द्वारा दि गई तकनीक है क्योंकि जो यहाँ टैलेंटेड होते हैं वो अमेरिका चले जाते हैं और भारत के लोग भी इसे बहुत अच्छा मामते है कि देखो वो अमेरिका में खुब पैसा कमा रहा है अब इस सोच से बाहर निकलना होगा क्योंकि अब जिस तरह युद्ध हो रहे हैं उसमें दूसरे देश कूद जाते हैं और अपनी दादागिरी दिखाते हैं ये बात अब इजराइल को भी समझ आ गई होगी और रूस यूकेन का युद्ध भी नाटो बनाम रूस हो गया और रूस का उन देशों के प्रति कहीं ना कहीं समर्थन है जिससे युद्ध जिस उद्देश्य के लिए हो रहा है वो समझ में ही नहीं आता आखिर जीता क्यों लेकिन 9/11 हमले में दो वर्ड ट्रेड सेंटर को अलकायदा ने निशाना बनाया तो अमेरिका ने उसपर एक तरह से कब्जा ही कर लिया था बाद में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बायडेन ने बापस बुलाया यही नहीं इराक उसका मजाक उड़ाया तो उसका क्या हाल हुआ वो सबको मालूम है अमेरिका ने ईरान ने इजराइल के कहने से ज्यादा वहाँ के अन्य मुस्लिम देशों ने अमेरिका को अच्छी खासी रकम दि है जिससे ट्रम्प ने बी -2 बमवर्षक विमान से ईरान के तीनो परमाणु ठीकानो को पूरी तरह बर्बाद कर दिया और अब ईरान का बम बनाने का सपना अधूरा रह गया खबर में कुछ भी बता देते हैं लेकिन उसमें हकीकत नहीं रहता अगर ईरान ने भारी मात्रा में यूरेनियम को वहाँ से हटा दिए है तो वो किस काम का है 60 प्रतिशत तक संवर्धित है और 90 परसेंट करने में कम से कम 5साल लगेंगे ये दूसरे बम जैसा नहीं है कि जब चाहे बना लिए उसमें रेडियो। परमाणु हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए इसे लगभग 90 प्रतिशत तक संवर्धित करने की आवश्यकता है अतः ईरान का परमाणु कार्यक्रम अब अमेरिका डील कर रहा अब उसे इजराइल से कोई मतलब नहीं रहा यही बात अब दूसरे देश को भी सिखने की जरुरत है यदि आपके पास अपना सामर्थ है तो युद्ध करो बरना आपस में समझौता कर लो हकीकत ये है कि भारत द डेली टेलीग्राफ और अन्य स्त्रोतों के अनुसार, चीन ने मई और जून 2020 के बीच भारतीय गश्त वाले 60 वर्ग किलोमीटर (23 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और पाक अधिकृत काश्मीर में अपना नेटवर्क बना रहा है और चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है। इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है। चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था। ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है।चीन ने केवल भारत को ही नहीं परेशान कर रहा है बल्कि तिब्बत को भी कब्जे में लिया और उनके धर्म गुरु दलाई लामा भारत में हैं और तिब्बत का यहाँ एक अस्थाई सरकार भी धर्मशाला में है जिसे तिब्बत का अस्थाई सरकार धर्मशाला में है और जिसे तिब्बत सेंट्रल एडमिन्सटर कहते हैं और ये सभी भगवान बुद्ध को मानने वाले शांति प्रिय लोग है यहाँ उनके सारे मंत्रालय भी हैं जिसमें रक्षा नहीं है क्योंकि ये भारत के हिस्से में है ये 1956 से भारत में पंडित नेहरू के कहने पर बड़ी संख्या में अपने धर्म गुरू दलाई लामा के साथ भारत आए थे जब तिब्बत ने 16 बिंदु के करार को न मान कर तिब्बत को अपने कब्जे में ले लिया जो चीन की बाहबाही करते है जरा सा अपने वीर योद्धा पर भी ध्यान दें सियाचिन का गलेशियर जो भारत को पाकिस्तान और चीन द्वारा की जाने वाली घुसपैठ को रोकने में मदद करता है।वहाँ का तापमान -30 डिग्री में अपने जवान किस तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं और जिंदगी में क्या पाया भारत माता के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है। इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है। चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था। ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है। इसलिए जहाँ देखें चीन की धरती है वहाँ कदम भी रखना देश के लिए ठीक नहीं है क्योंकि वहाँ वो आखिर आपकी क्या सुनेगा और खून का घुट पी कर आना पड़ेगा भारत स्वतंत्र देश है हम क्या ले क्या पहने ये मेरा अधिकार है चीन से तो बना हुआ कोई समान मैं तो नहीं लेता हूँ यहाँ तक की चाइनीज फूड भी क्योंकि देश सर्वोपरि है हमारी टेक्नोलॉजी उससे बेहतर है तभी तो केरल में जासूसी करने आए एक ब्रिटिश विमान को लॉक ही कर दिया चीन से सामान ही ना लो महात्मा गाँधी इसलिए विदेशी चीजों का वहिष्कार करते थे लेकिन आजादी के बाद देश का दुर्भाग्य ही कहे हमने उस पर अमल नहीं किया और आजादी के 77 साल बाद भी चीन की चाल को समझ नहीं रहे हैं ये बाद में अत्यंत हानिकारक होगा।इसलिए चीन के समान जब भारत में देखता हूँ तो कुछ समय के लिए सोचता हूँ सस्ता तो है लेकिन ये खरीदने से चीन की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

बारिश की विनाशलीला, देश भर में प्राकृतिक एवं मानवजन्य प्रकोप

- सनत जैन

देशभर में मानसून की दस्तक इस बार राहत के साथ-साथ तबाही लेकर आई है। उत्तर भारत के कई राज्य–हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, यूपी और बिहार मे भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन जैसी आपदाओं से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मध्य प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्य भी बारिश के कहर से अछूते नहीं हैं। मौसम विभाग ने कई राज्यों में रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मानसून के इस मौसम में जितना प्रकृति का प्रकोप है, उससे ज्यादा प्रकोप मानवीय और सरकारी लापरवाही का है। जमीनी हकीकत यह है, कि सरकार की योजनाएं और नगरीय निकायों की लापरवाही मानसून के पहले की तैयारियों का अभाव हर साल इस आपदा को और भी भयावह बना देता है। हिमाचल प्रदेश में अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है, सड़कें बंद हैं। पहाड़ी नदियों का जलस्तर खतरनाक हद तक बढ़ गया है। हिमाचल में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। हजारों पर्यटक और वाहन यहां फंसे हुए हैं। गांव के गांव इस मानसून की बारिश में और भू स्खलन में बह गए हैं। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा को रोकना पड़ा है। भूस्खलन और पुल टूटने से रास्ते अवरुद्ध हैं। हजारों तीर्थ यात्री फंसे हुए हैं। उन्हें खाना-पीना भी सही से नहीं मिल पा रहा है। मैदानी इलाकों की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। गांवों में पानी भरा है, फसलें नष्ट हो रही हैं। जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त है। दुर्भाग्य की बात यह है, कि यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। हर साल जून-जुलाई में ऐसे ही दृश्य सामने आते हैं। हर साल इसी तरह की विभीषिका से लोगों को जूझना पड़ता है। हजारों करोड़ों रुपए का नुकसान हर साल होता है। पिछले कई वर्षों से सभी नगरों में बारिश के दौरान जल प्लावन की स्थिति देखने को मिलती है। सीवर लाइन जिस तरीके से शहरों में बिछाई गई है, उसमें पानी की निकासी और ढलान का कोई ध्यान नहीं रखा गया। इस कारण थोड़ी सी भी बारिश में शहरों के कई हिस्से जल मग्न हो जाते हैं। जगह-जगह नावें चलने लगती हैं। गुजरात जैसे राज्य में हर साल बारिश के दौरान बड़े पैमाने पर विनाश लीला होती है। केंद्र एवं राज्य सरकारें सतर्क और गंभीर हों, ऐसा दिखता नहीं है। केंद्र की आपदा प्रबंधन प्रणाली जब आपदा आती है तो उसे दूर करने के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च कर देती है। स्थाई समाधान के प्रयास नहीं किए जाते हैं। जिसके कारण हर साल और वह रुपए का नुकसान केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ-साथ आम लोगों को उठाना पड़ता है। शहरी विकास योजनाएं बिना पर्यावरणीय संतुलन को समझे लागू हो जाती हैं। नगरी विकास योजनाओं में यह ध्यान नहीं रखा जाता है। सीवर लाइन और नालों में पानी का ढलान है, या नहीं है। पानी बाहर निकालने के लिए कितने इन्च की पाइप लाइन की जरूरत है। इस सबका ध्यान नहीं रखा जा रहा है। जिसके कारण हर शहर के कई इलाके बारिश के मौसम में पानी में डूब जाते हैं। यह हाल दिल्ली मुंबई जैसे बड़े-बड़े महानगरों के भी हैं, छोटे नगरों की भी यही हालत है। पहाड़ी क्षेत्रों में अंधाधुंध निर्माण व जंगलों की कटाई ने पहाड़ों को खोखला कर दिया है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन मिलाजुला रहेगा। राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में विरोधी परेशानी उत्पन्न कर सकते हैं।

तुला सेवा, लॉ, या प्रशासन से जुड़े हैं, उन्हें नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

वृषभ मामलों में सतर्कता से काम लेने की सलाह है। खर्चों की अधिकता और आर्थिक असंतुलन मिल रहा है।

वृश्चिक दिन रणनीतिक निर्णय लेने के लिए अनुकूल है। आप साहसपूर्वक निर्णय लेंगे।

मिथुन आज भाग्य साथ दे रहा है और आपकी वाणी और नेतृत्व क्षमता में विस्तार होगा।

धनु आज आज का दिन यात्राओं और विस्तार की योजनाओं के लिए शुभ है।

कर्क जॉब और व्यापार में प्रगति की स्थितियां बनेंगी, लेकिन बेवजह खर्चों से बचना होगा।

मकर सम्मान में वृद्धि के योग बने हैं। गुरु की शुभ दृष्टि से व्यवसाय में स्थिरता और विस्तार प्राप्त होगा।

सिंह दिन का आरंभ थोड़ा तनाव वाला हो सकता है। करियर में सकारात्मक परिवर्तन दिखेगा।

कुंभ लाभ होगा और आपको व्यर्थ के खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। ऑफिस में नई चुनौतियां आएंगी।

कन्या आज ग्रहों की शुभ स्थिति लाभ का संकेत दे रही है। धन से जुड़ी योजनाओं में आपको बड़ा लाभ होगा।

मीन नौकरी की दृष्टि से उन्नति देने वाला है। सेवा, शिक्षा या आध्यात्म से जुड़े लोग विशेष लाभ में रहेंगे।

विशेष

क्या झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति?

सांसद संजय राऊत की मानें तो झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति है। उन्होंने भाजपा को चुनौती देकर कहा है कि अगर ठाकरे ने माशेलकर समिति की रिपोर्ट पेश की थी, तब उस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए था। दरअसल शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा तीन-भाषा नीति पर माशेलकर समिति की रिपोर्ट स्वीकार करने के दावे को लेकर इस तरह से भाजपा पर निशाना साधा है। ठाकरे गुट के नेता राउत ने तो यहां तक कह दिया है कि भोजपा के लोग महाराष्ट्र में इसी झूठ नीति के तहत काम कर रहे हैं। राउत तंज कसते हुए कहते हैं कि देवेंद्र फडणवीस तीन बार मुख्यमंत्री बन चुके हैं,

सभी जीवों में ईश्वर का वास

हमारी संस्कृति ईशावास्यमिदं सर्वम्‌ पर आधारित है, जो सभी जीवों में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है। ये उद्गार किसी संत महात्मा के नहीं बल्कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हैं, जिन्होंने भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली के दीक्षांत समारोह में व्यक्त किए हैं। उन्होंने कहा है कि पशु कल्याण, जैव विविधता का संरक्षण और तकनीकी नवाचार आज के युग की जरूरत हैं, और युवा पशु चिकित्सकों को इसमें अग्रणी भूमिका निभानी होगी। इस पर विचारक भी कह रहे हैं कि यह वाकई विचारणीय बात हो गई है, क्योंकि जिस तरह से जीवों में अंतर कर हिंसा की जाती है, उससे यह संदेश बेमानी हो जाता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1499 तुर्की और वेनिस में युद्ध भड़का. 1535 इंग्लैंड में सर थामस पर राजद्रोह का मुकदमा शुरू हुआ. 1781 हैदर अली और अंग्रेजों के बीच पोटो नोवो की लड़ाई हुई. 1810 नेपोलियन बोनापार्ट के दबाव में हालैंड नरेश लुई ने गद्दी छोड़ी. 1839 तुर्की के बेड़े ने सिकंदरिया में मिस्त्र के मेहनत अली के आगे हथियार डाल दिए. 1862 कोलकात्ता उच्च न्यायालय का उद्घाटन हुआ. 1862 डॉ. विधानचंद्र राय का जन्म हुआ. 1909 क्रांतिकारी मदनलाल ढींगरा ने लंदन में विलियम विलो और डॉ. लाल काका को गोली मार दी. 1910 दक्षिण अफ्रीका संघ ब्रिटिश साम्राज्य का अंग बना. 1926 दक्षिण अंगोला सीमा पर विवाद इंग्लो पुर्तगाली समझौता हुआ. 1931 कोरिया में चीन विरोधी दंगे भड़के. 1941 प्रसिद्ध पत्रकार सी वाई चिंतामणि का निधन हुआ.

दैनिक पंचांग

1 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.29 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	08.45 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.57 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.07 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.22 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.38 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.43 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.30 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.03 बजे से
राहुकाल		मेष	00.33 बजे से
3.00 से 4.30		वृष	02.13 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.11 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 182 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 10.21 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 08.54 बजे को समाप्त।
योग व्यतीपात 17.19 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 10.21 बजे तदनन्तर गर 23.06 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 05.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 06'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872392
जूलियन दिन 2460857.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 05

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मच्छरों ने घर में मचा रखा है आतंक, इन चीजों के धुएं से भागेंगे कोसों दूर

बदलते मौसम में यदि आपके घर में भी मच्छरों ने आतंक मचाना शुरु कर दिया है तो आज हम आपको इन्हें भगाने के कुछ तरीके बताने जा रहे हैं। जिनको आप भी फॉलो करके घर के मच्छरों का सफाया कर सकती हैं।

बदलते मौसम और बारिश में अक्सर मच्छरों का आतंक शुरु हो जाता है और इनकी संख्या में तेजी से इजाफा होने लगता है। आप घर के अंदर हो या बाहर हर जगह मच्छर आपको परेशान करने लगते हैं। रात में बिस्तर पर सोने पर मच्छर आपकी नींद खराब कर देते हैं। कभी-कभी तो पूरी रात आपको नींद खराब हो जाती है। ऐसे में इन मच्छरों के बीच रहना बेहद मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा मच्छर डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियां भी फैलाते हैं। ऐसे में हमें इन्हें जल्द से जल्द भगाने के उपाय करने पड़ते हैं। अन्यथा इनका प्रकोप बढ़ता चला जाता है। मच्छर ज्यादातर गंदगी और जिस जगह पर पेड़-पौधे होते हैं वहां पनपते हैं। ऐसे में बहुत लोग इनको भगाने के लिए मॉस्किटो कोइल, कीटनाशक का छिड़काव, मिट्टी का तेल और कई चीजों का स्प्रे कर देते हैं, जो कि हमारी सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इनसे निकलने वाला धुआं हमारा स्वास्थ्य खराब कर सकता है। लेकिन इसके बाद भी कभी-कभी मच्छर भागने का नाम नहीं लेते हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ प्राकृतिक उपाय बताने जा रहे हैं। यह तरीके आपके घर से मच्छरों को भगाने में मदद कर सकते हैं। आइए जानें इनको करने का तरीका जिसको करने से मच्छर कोसों दूर भागेंगे।

नीम की पत्तियों का धुआं

नीम की पत्तियां कीटनाशक भगाने में मदद करती हैं। ऐसे में इस पेड़ की लकड़ी और टहनियां मच्छरों को भगाने में मदद करती हैं। यदि आपके घर में मच्छरों का ज्यादा आतंक बढ़ गया है तो आपके जिस भी कमरे में भी मच्छर ज्यादा हो वहां आप सूखी हुई नीम की पत्तियां किसी मिट्टी के बर्तन में रखकर जला दें और उस कमरे को कुछ देर के लिए बंद कर दें। जब सभी पत्तियां जल जाएंगी और आप दरवाजा खोलेंगी तो सभी मच्छर गायब मिलेंगे। नीम की पत्तियों का धुआं वैसे तो स्वास्थ के लिए हानिकारक नहीं होता है, लेकिन फिर भी जिस जगह आप उसको जलाएं वो कोशिश करें की नहीं बैठें।

गोबर के उपलों का धुआं

आपने अक्सर गांव में चूल्हे जलते देखे होंगे। ऐसे में जिस जगह चूल्हा जलता हैं वहां मच्छर बाकि जगह के मुकाबले कम होते हैं। दरअसल, चूल्हा जलाने में गोबर के उपलों का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में आप भी अपने घर में गाय के गोबर के उपले जला सकती हैं। इसके धुएं से भी मच्छर भागने लगते हैं। आप उपले के साथ कपूर की गोलियांरखकर भी जला सकती हैं। कुछ लोग इसका प्रयोग लोबान आदि बनाने के लिए भी करते हैं।

गर्मी की छुट्टियों के बाद बच्चा स्कूल जाने में करे आनाकानी, तो अपनाएं ये टिप्स

जुलाई का महीना आ गया है। जुलाई का मतलब है कि गर्मियों की छुट्टियां खत्म और अब फिर से स्कूल जाने का समय। ऐसे में बच्चों के लिए स्कूल दोबारा जाना थोड़ा मुश्किल भरा होता है। इसलिए हम आपको कुछ तरीके बता रहे हैं जिनकी मदद से आपका बच्चा स्कूल जाने में आनाकानी नहीं करेगा।

गर्मियों की छुट्टियां बच्चों के लिए मौज-मस्ती का समय होती हैं, जहां वे बिना किसी नियम के जीते हैं। लेकिन जैसे ही जुलाई का महीना शुरू होने वाला होता है, कई बच्चों को वापस स्कूल जाने और टाइम टेबल मानने में मुश्किल होती है। यह बदलाव बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता के लिए भी तनाव भरा होता है। रिसर्च बताती है कि छुट्टियों के बाद पढ़ाई से मिला ब्रेक बच्चों की सीखने की रफ्तार को धीमा कर सकता है। इससे बच्चा चिड़चिड़ा और कम आत्मविश्वासी हो जाता है, और उसे स्कूल जाने का मन नहीं करता।

गर्मियों की छुट्टियां खत्म होते ही बच्चों के मन में आता है कि फिर से होमवर्क करना होगा, दोस्तों के साथ खेलना बंद हो जाएगा और सुबह जल्दी उठना पड़ेगा। इन सभी बातों को सोचकर बच्चे कई बार स्कूल जाने में आनाकानी करने लगते हैं। ऐसे में माता-पिता को उनका साथ देना होता है। आज हम आपको कुछ तरीके बता रहे हैं जिनकी मदद से आप बच्चे को खुशी-खुशी स्कूल जाने के लिए राजी कर सकते हैं।

बच्चे की दिनचर्या को धीरे-धीरे ठीक करें

- अगर गर्मी की छुट्टियों में बच्चा देर रात तक जागने और सुबह देर तक सोने का आदी हो चुका है, तो स्कूल खुलने के पहले ही दिन सुबह 6 बजे जागना उसके लिए मुश्किल होगा। इसलिए माता-पिता को बच्चे के सोने और खाने का समय धीरे-धीरे बदलना शुरू कर देना चाहिए, ताकि स्कूल खुलने तक बच्चा उस रूटीन में ढल जाए।
- आप हर 2-3 दिन में सोने और उठने का समय 15 मिनट पहले कर दें। बच्चे को हर दिन 15 मिनट कोई किताब पढ़ने को दें। उसे अपना बैग तैयार करने और यूनिफॉर्म पहनने के लिए बढ़ावा दें। इससे बच्चा धीरे-धीरे स्कूल के हिसाब से ढलने लगेगा और उसे स्कूल खुलने के बाद तनाव महसूस नहीं होगा।

बच्चे से प्यार से और खुलकर बात करें

जब स्कूल फिर से खुलने वाले होते हैं, तो बच्चा थोड़ा परेशान महसूस करता है, उसे समझ नहीं आता कि क्या करे। ऐसे में अगर माता-पिता उससे प्यार से बात करते हैं और उसके मन की बात जानने की कोशिश करते हैं, तो उसे सहारा मिलता है। आप बच्चे से पूछ सकते हैं कि स्कूल खुलने वाला है, क्या तुम खुश हो या डरे हुए हो? आप बच्चे को अपनी कोई कहानी सुनाकर उसे हिम्मत दे सकते हैं। जब आप बच्चे की भावनाओं को समझते हुए उसे समझाते हैं, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और स्कूल वापस जाने का डर थोड़ा कम हो जाता है।

स्कूल वापसी को मजेदार और जाना-पहचाना बनाएं

अगर आपका बच्चा स्कूल जाने को बोरिंग मानता है, तो आपको इसे मजेदार बनाना चाहिए। आप कुछ नया कर सकते हैं।

- आप बच्चे को उसका पसंदीदा बैग, लंचबॉक्स चुनने का मौका दे सकते हैं।
- स्कूल खुलने से पहले आप उसकी बात स्कूल के दोस्तों से करवा सकते हैं और उनसे मिलने भी जा सकते हैं।
- आप जून से ही जुलाई कैलेंडर के साथ एक एक्टिविटी कर सकते हैं, जिसमें हर दिन के साथ स्टीकर लगाना होगा ताकि स्कूल शुरू होने की उलटी गिनती बच्चे को रोमांचक लगे।
- बच्चे को आप रोजाना स्कूल वापसी को लेकर अच्छी बातें बता सकते हैं, ताकि वह डर की जगह सकारात्मक चीजें सोच सके।

स्कूल की आदतें धीरे-धीरे वापस लाएं

गर्मियों की छुट्टी के बाद अचानक से स्कूल मोड में आना बच्चों के लिए तनाव भरा हो सकता है। लेकिन, अगर आप कुछ दिन पहले से ही घर पर ही कुछ एक्टिविटीज या पढ़ाई शुरू कर देते हैं, तो बच्चे का दिमाग दोबारा से सीखने के लिए तैयार हो जाता है।

- आप उसे हर दिन कहानी की किताब पढ़कर सुना सकते हैं, मैथ्स की पहेलियां हल करवा सकते हैं।
- आप बच्चे के लिए घर पर स्कूल जैसी स्टडी टेबल लगा सकते हैं, जिसमें उसके स्कूल का सारा सामान रख सकते हैं और उससे कह सकते हैं कि तुम मानो कि तुम स्कूल में हो।
- अगर हो सके तो बच्चे को स्कूल खुलने से पहले एक बार स्कूल घुमाने ले जाएं ताकि वह अपनी क्लासरूम को पहचान सके और डरे नहीं।

मानसून के बीच बीजों की मदद ऐसे ग्रो करें वेजिटेबल प्लांट्स

अगर आप गार्डनिंग के शौकीन हैं तो आपको पता ही होगा कि हर मौसम में सब्जियों के खेती अलग होती है। कुछ पौधे गर्मी के मौसम में ठीक तरीके से उगते हैं तो वहीं कुछ पौधे ठंड व बरसात के मौसम में अच्छी तरह से ग्रो करते हैं। अगर आप मानसून के मौसम में अपने बगीचे में सब्जी के पौधे उगाने का प्लान कर रहे हैं लेकिन आपको समझ नहीं आ रहा है कि इस सीजन किन वेजिटेबल की प्लांट्स को लगाना उचित रहेगा।

मानसून के मौसम बीज की मदद से ऐसे ग्रो कर सकते हैं प्लांट्स

हम सभी अक्सर अपने बगीचे में किसी भी पौधे को लगाने के लिए सीड्स, कलम या फिर बेबी प्लांट्स का उपयोग करते हैं। इसके बिना इन्हें ग्रो कर पाना मुश्किल भरा काम है। पौधे न सिर्फ मन को खुश करते हैं बल्कि उस एरिया को भी खुबसूरत बनाता है जहां ये लगे होते हैं। चलिए जानते हैं इस मौसम में उगने वाले पौधे के बारे में पूरी जानकारी।

टमाटर के लिए

- इसे उगाने के लिए ऐसी जगह चुनें जहां टमाटर के पौधों को 5-6 घंटे तक डायरेक्ट सूरज की किरणें मिल सके।
- इस प्लांट को आप 21 से 27 डिग्री के बीच के तापमान में उगा सकते हैं।
- बीजों को गमले के मिश्रण में लगभग 1/4 इंच गहराई पर तथा 3-4 इंच की दूरी पर बोएं।
- अच्छी ग्रोथ के लिए पौधे में हेल्दी खाद डालें।

खीरा के लिए

- खीरा उगाने के लिए ऐसी जगह चुनें जहां पर इसके पौधे को भरपूर धूप मिल सके।
- नम और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी का चयन करें।
- बीजों को लगभग 1 इंच गहराई पर तथा 2-3 इंच की दूरी पर पंक्ति में बोएं।
- अगर आप घर में खीरे का पौधा उगाना चाहते हैं, तो पौधों को ट्रेलिस से सहारा दें।

ऐसे ग्रो करें मूली का पौधा

- मूली के पौधे को कम धूप पसंद होती है,इसलिए ऐसी जगह चुनें जहां पर छाया के साथ हल्की धूप भी मिल सके।
- बीजों को ढीली और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में लगाएं। लेकिन उससे पहले मिट्टी की सतह को साफ कर लें।
- बीजों को 1/2 इंच गहराई पर और 2 इंच की दूरी पर बोएं। ये 5 दिनों के बाद अंकुरित होने लगते हैं।

बीज की मदद से कैसे ग्रो करें मिर्च का पौधा

- मिर्च के प्लांट को हल्की धूप और छाया की जरूरत होती है। ऐसे में सही जगह का चुनाव करना बड़ा टास्क होता है.
- इसके लिए एक ऐसा कंटेनर चुनें जो 3-4 इंच गहरा हो और उसके नीचे के हिस्से में छेद करें।
- अब बीजों को लगभग 1 इंच की गहराई में लगाएं।
- मिर्च के कंटेनर को ऐसी जगह पर रखें जहां 5-6 घंटे धूप मिले।
- अपने पौधों को प्रतिदिन पानी दें और उनकी देखभाल करें।

बरसात में गुड़हल की ऐसे करें देखभाल

बरसात के मौसम में बारिश की बूंदे फूलों पर गिरती हुई बेहद ही खूबसूरत लगती हैं। इस मौसम में गुड़हल के पौधे पर नई पत्तियां और फूल खिलते हैं। अगर आप हर डाल पर गुच्छे में मोटे-मोटे फूल और कलियां देखना चाहती हैं, तो यह लेख आपके लिए कारगर साबित हो सकता है।

बरसात के मौसम में गुड़हल के पौधे पर नई-नई कलियां और फूल खिल सकते हैं। लेकिन आपने इस दौरान खास ध्यान नहीं रखा, तो पेड़ पर खिले फूल भी गिरने लगते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में इस पौधे पर फूल खिलना बाकी दिनों से कम हो जाते हैं। अब ऐसे में अगर आप मिट्टी की गुड़ाई और छंटाई कर देते हैं, जो पौधे में नई-नई पत्तियां आना शुरू हो जाती है। बारिश में इस पौधे पर कीड़े लगने, कलियां खराब होने और फंगस लगने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में गार्डनिंग के शौकीन लोग अक्सर परेशान हो जाते हैं कि अपने गुड़हल के पौधे को फूलों से लहलहाता हुआ कैसे रखें। इस दौरान अमूमन लोग सोचते हैं कि अब महंगे केमिकल फर्टिलाइजर या ढेरों तरह की खाद खरीदने की जरूरत पड़ेगी। लेकिन आपको बता दें कि आप घर के रसोई में मौजूद कुछ जरूरी चीज और गोबर से तैयार जादुई देसी नुस्खे से इसे हरा-भरा और स्वस्थ रख सकती हैं। यह तरीका न केवल पूरी तरह से नेचुरल है बल्कि आपकी जेब पर भी भारी नहीं पड़ेगा। चलिए इस लेख में जानिए कि पौधे में नई कलियां और फूल कैसे पाएं।

गुड़हल पौधे के लिए खाद कैसे बनाएं?

गुड़हल के पौधे में डालने के लिए आलू के छिलके, गोबर,नीम खली और लकड़ी की राख से खाद बनाकर तैयार कर सकती हैं। इस खाद में मौजूद सभी चीजें प्राकृतिक है। ऐसे में इसका पौधे पर किसी भी प्रकार का कोई गलत प्रभाव नहीं पड़ेगा। बता दें कि आलू के छिलके में पोटेशियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व होते है, जो पौधे में फूलों की उपज को बढ़ाते है। साथ ही मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार लाने का काम करता है, जिससे पौधे की जड़ें मजबूत होती है। वहीं नीम खली और लकड़ी की राख पौधे में कीटों के प्रकोप को खत्म करता है। बारिश के दौरान पौधे पर कीटों, मिलीबग और रोगों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे में वह उसे बचाने का काम करता है। वहीं गाय या भैंस के गोबर से तैयार खाद में नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते है जो गुड़हल के पौधे के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

कैसे करें गुड़हल के पौधे में खाद का इस्तेमाल?

सबसे पहले एक बर्तन, बाल्की या डलिया लें। इसके बाद आलू के छिलके सुखाकर उनका बारीक पाउडर बना लें। अब इसमें आलू के छिलके का पाउडर, एक मुट्ठी नीम खली, एक मुट्ठी गोबर की खाद और एक मुट्ठी लकड़ी की राख डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इस मिश्रण को गुड़हल के पौधे में 2 मुट्ठी डालकर फैलाएं। बची हुई खाद को स्टोर करके रख लें। इसका उपयोग महीने में 3-4 बार पौधे में कर सकते है। ऐसा करने से पौधे को सभी जरूरी पोषण प्राप्त होंगे, जिससे पौधे में कलियां और नए फूल खिल सकते हैं।

ओरल केयर के अभाव में देश को हर साल 7.2 अरब डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। ओरल हेल्थ पर ध्यान नहीं देने के कारण90 फीसदी भारतीयों को दांतों की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। यह न सिर्फ कैंसर जैसी बीमारियों की वजह बन

रहा है, बल्कि देश को हर साल 7.2 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हो रहा है। कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) की एमडी एवं सीईओ प्रभा नरसिम्हन ने अमर उजाला से बातचीत में कहा, ओरल हेल्थ में भारत का स्कोर पांच में से 2.6 है।इसकी प्रमुख वजह ओरल केयर का अभाव है।आलम यह है कि 80 फीसदी शहरी भारतीय रात में ब्रश नहीं करते हैं।ग्रामीणइलाकों में रहने वाले 55 फीसदी लोग प्रतिदिन एक बार भी ब्रश नहीं करते हैं।यह बड़ी समस्या है, जिसके समाधान के लिए कोलगेट पामोलिव आठ दशक से अधिक समय से भारत में ओरल केयर पर काम कर रही है।कंपनी ओरल हेल्थ को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता के तहत भारत में ओरल हेल्थ मूवमेंट चला रही है।

45 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग- प्रभा बताती हैं कि ओरल हेल्थ मूवमेंट पहल के तहत देश के 700 जिलों और 18,000 से अधिक पिन कोड पर अब तक 45 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गईहै।इनमें से सिर्फ 10 फीसदी लोगों को ही पांच में से पांच और 24 फीसदी को सबसे कम एक स्कोर मिला है।स्क्रीनिंग के आंकड़े बताते हैं कि 41 फीसदी लोगों में कैविटी होने का खतरा काफी अधिक है, जबकि 44 फीसदी लोग मसूड़े की समस्या से जूझ रहे हैं।

बाढ़ में लाखों के नुकसान से बचाएगा वाहन बीमा, ईवी बैटरी भी कवर में

नई दिल्ली, एजेंसी। बारिश शुरू होने के साथ बाढ़ और जलभराव आम बात है।ऐसे में अपनी गाड़ी को बाढ़ और जलभराव से बचाना जरूरी हो जाता है, जिसका एक ही तरीका है...व्यापक मोटर बीमा पॉलिसी का चुनाव।यह न सिर्फ आपकी गाड़ी को बाढ़, आग और चोरी से सुरक्षित रखती है, बल्कि इंजन, इलेक्ट्रिकल सिस्टम और इंटीरियर को कवरेज देकर लाखों के नुकसान से बचाती है।इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का चलन बढ़ने के साथ इस पॉलिसी में आपको बैटरी की भी सुरक्षा मिलती है, जिसकी कीमत ई-कार मूल्य की 40 फीसदी तक होती है।अगर आप अतिरिक्त सुरक्षा चाहते हैं, तो मोटर बीमा पॉलिसी में व्यापक ऐड-ऑन कवर शामिल कर सकते हैं। यह ऐड-ऑन कवर कार के इंजन को होने वाले नुकसान से बचाता है।कार के पानी में डूबने पर पिस्टन और कनेक्टिंग रॉड क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, जिससे इंजन बंद हो जाता है।इसे ठीक कराने या बदलने पर मोटी रकम खर्च होती है।

जीरो डेप्रिसिएशन कवर- कारें मूल्यह्रास यानी डेप्रिसिएशन योग्य एसेट हैं।इसलिए, बीमाकर्ता क्लेम निपटान से पहले लागू डेप्रिसिएशन रकम काट लेते हैं।यही कारण है कि जीरो डेप्रिसिएशन कवर महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह व्यापक मोटर बीमा पॉलिसी का हिस्सा नहीं है।यह ऐड-ऑन कार के पुर्जों पर डेप्रिसिएशन से राहत देता है और मालिक को अधिक क्लेम राशि पाने में सक्षम बनाता है। प्लास्टिक और रबर जैसे कुछ कलपुर्जों पर पहले साल में ही डेप्रिसिएशन 50 फीसदी तक होता है।इसका मतलब है कि अगर आपके पास यह कवर नहीं है, तो बीमा कंपनी वास्तविक नुकसान का सिर्फ 50 फीसदी ही क्लेम देगी।इस नुकसान से बचने के लिएयह कवर लेना जरूरी हो जाता है।

निवेश-बचतः तनावमुक्त जीवन के लिए कर्ज प्रबंधन के स्मार्ट तरीके

सिबिल स्कोर और इमरजेंसी फंड बनाए रखें

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल हर परिवार होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड और एजुकेशन लोन जैसे कर्ज लेता है। अर्थव्यवस्था के लिए ये कर्ज नए पैसे को सिस्टम में लाने का एक जरिया हैं। लेकिन, मध्यम वर्ग परिवारों के लिए इन कर्ज पर लगने वाला ब्याज उनकी आर्थिक स्थिति के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। आरबीआई फरवरी से अब तक रेपो दर में कुल एक फीसदी की कटौती कर चुका है।यह मौजूदा कर्जदारों के लिए बड़ी राहत है, बशर्ते बैंक इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाएं। आइए समझते हैं कि ब्याज दरों में कमी के इस दौर में हम अपने कर्ज का प्रबंधन स्मार्ट तरीके से कैसे कर सकते हैं।

वेरिएबल इंटरेस्ट तो सस्ता होगा कर्ज- अगर आपका लोन वेरिएबल इंटरेस्ट रेट पर है, यानी ब्याज दर रेपो रेट के हिसाब से ऊपर-नीचे हो सकती है (जैसे होम लोन, एजुकेशन लोन), तो आपका कर्ज सस्ता हो सकता है। लेकिन, ज्यादातर मामलों में पर्सनल और कार लोन की ब्याज दरें कर्ज लेते समय फिक्स्ड होती हैं।यानी रेपो दर के बढ़ने-घटने का ब्याज दर पर कोईअसर नहीं होता है।

कर्ज प्रबंधन के गोल्डन नियम- कर्ज तभी लें, जब वाकई जरूरत हो= घर या कार खरीदने के लिए कर्ज लेना ठीक है, लेकिन विदेश में छुट्टियां मनाने या आईफोन खरीदने के लिए पर्सनल लोन लेना सही नहीं है। ऐसी चीजों के लिए पहले से प्लान करें और हर महीने थोड़ी-थोड़ी बचत कर बाद में खर्च करें।

सिबिल स्कोर बनाए रखें = अच्छा क्रेडिट स्कोर आसानी से कर्ज दिला सकता है और थोड़ी छूट भी मिल सकती है। इसलिए, अपने क्रेडिट स्कोर पर नजर रखें और भुगतान में चूक से बचें।

कुल ईएमआई को मासिक आय के 40 फीसदी से कम रखें = इससे आप भविष्य के वित्तीय लक्ष्यों के लिए निवेश कर पाएंगे और घरेलू खर्चों को बिना परेशानी के मैनेज कर सकेंगे।

पुराने कर्ज चुकाने के लिए नया लोन न लें - जब तक नया लोन वाकई बड़ा फर्क न ला रहा हो, बार-बार लेंडर बदलने से बचें। इसके बजाय, एक लेंडर के साथ रहें और जितनी जल्दी हो सके, कर्ज चुकाएं।

इमरजेंसी फंड बनाए रखें = हमेशा कम-से-कम 3 से 6 महीने का इमरजेंसी फंड रखें, जिसमें ईएमआई सहित मासिक खर्च शामिल हों। इस राशि का इस्तेमाल

पुराने कर्ज पर ऐसी होनी चाहिए रणनीति

अगर कर्ज वेरिएबल इंटरेस्ट रेट पर है, तो आपके पास दो विकल्प होते हैं।आपको ईएमआई की राशि कम करने या लोन की अवधि घटाने के बीच किसी एक को चुनना होता है।यह फैसला उलझन भरा होता है।लेकिन, अगर आप ईएमआई राशि कम करने की जगह लोन अवधि घटाने का विकल्प चुनते हैं, तो यह समझदारी भरा फैसला होता है, क्योंकि आप पहले से ही वह राशि हर महीने अपनी आय से चुका रहे थे।ईएमआई कम कराने से खास बचत नहीं होती।

बैलेंस ट्रांसफर में इन बातों का रखें ध्यान

कई बैंक बैलेंस ट्रांसफर का विकल्प देते हैं।इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।जैसे बैंक की सेवा अच्छी है या नहीं, बैंक शाखा घर के नजदीक हो, ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध है या नहीं।सबसे अहम प्रोसेसिंग फीस, मोरगेज चार्जेस आदि कितने हैं।बैलेंस ट्रांसफर का फैसला लेते समय देखें कि सारे शुल्क जोड़ने के बाद यह फायदेमंद है या नहीं। इसे राधिका चोपड़ा के उदाहरण से समझते हैं। राधिका का होम लोन चल रहा है, जिसकी बकाया राशि 12.38 लाख रुपये है।इस पर वह 9 फीसदी ब्याज दर के साथ 19,800 रुपये की ईएमआई भर रही हैं।कर्ज अवधि 7 साल है।अब अगर वह दूसरे बैंक में बैलेंस ट्रांसफर करती हैं, जहां 8 फीसदी ब्याज दर है।इससे उन्हें 80,000 रुपये की ब्याज बचत हो सकती है।लेकिन, लोन ट्रांसफर के बजाय अगर वह मौजूदा ईएमआई को हर माह 1,500-2,000 रुपये बढ़ा दें, उन्हें 50-60 हजार की ब्याज बचत हो सकती है।इस प्रकार, अगर ब्याज दर में एक फीसदी से ज्यादा बचत हो रही हो और आपकी बकाया अवधि 7-10 साल से अधिक हो, तभी बैलेंस ट्रांसफर पर विचार करना चाहिए।

क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव

फीस में बढ़ोतरी और सुविधाओं में कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो आपके लिए नए नियमों को जानना और समझना जरूरी है। एसबीआई और एचडीएफसी समेत अन्य प्रमुख बैंकों ने क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है, जो जुलाई और अगस्त में अलग-अलग डेट से लागू होंगे। सबसे अहम क्रेडिट कार्ड के साथ मिलने वाले एक करोड़ रुपये के हवाई यात्रा दुर्घटना बीमा कवरेज को हटाया जा रहा है। नए नियमों के तहत बैंकों ने क्रेडिट कार्ड के साथ मिलने वाली सुविधाओं में कटौती की है। इसके साथ ही, कई तरह की फीस में बढ़ोतरी की है या फिर क्रेडिट कार्ड के जरिए खरीदारी करने पर नया चार्ज जोड़ दिया है। रिवार्ड प्वाइंट से जुड़े नियमों में भी बदलाव किया है और एक सीमा के बाद खर्च करने पर शुल्क लगाने का प्रावधान किया गया है। नए नियमों के तहत क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने वाले लोगों की जेब पर बोझ बढ़ेगा। अब बिल में जीएसटी, ईएमआई, फीस, फाइनेंस चार्ज, ओवर लिमिट राशि समेत बाकी बकाया राशि का 2 फीसदी भी शामिल होगा। पेमेंट का क्रम भी बदला जाएगा। 15

इन कार्डों पर भी 11 अगस्त से बंद होगा दुर्घटना बीमा

यूको बैंक एसबीआई कार्ड इलीट, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया एसबीआई कार्ड इलीट, पीएसबी एसबीआई कार्ड इलीट, केवीबी एसबीआई कार्ड इलीट, केवीबी एसबीआई सिग्नेचर कार्ड और इलाहाबाद बैंक एसबीआई कार्ड इलीट कार्ड पर एक करोड़ और पांच लाख रुपये का हवाई दुर्घटना बीमा 11 अगस्त से होगा बंद।

बाकी बैंक जल्द करेंगे नियमों में बदलाव

सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एसबीआई और निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक एचडीएफसी द्वारा क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बदलाव किए जाने का असर अन्य बैंकों पर भी देखने को मिलेगा।संभावना व्यक्त की जा रही है कि बाकी बैंक भी जल्द ही क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बदलाव करके कुछ सुविधाओं को हटाएंगे तो वहीं अतिरिक्त शुल्क लगाने का भी प्रावधान कर सकते हैं।

विदेश में पावर कारोबार करने की तैयारी में अनिल अंबानी

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर कल सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में रह सकते हैं। दरअसल, खबर है कि अनिल अंबानी की रिलायंस पावर लिमिटेड विदेश में 1,500 मेगावाट की गैस आधारित पावर प्रोजेक्ट स्थापित करने की योजना बना रही है। इसके विकास के लिए कई अंतरराष्ट्रीय टेंडर्स में सक्रिय रूप से भाग ले रही है। बता दें कि रिलायंस पावर के शेयर बीते शुक्रवार को 4 प्रतिशत से अधिक चढ़ गए थे और 69.29 रुपये पर पहुंच गए।

क्या है डिटेल

सूत्रों ने बताया कि रिलायंस पावर ने कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और मलेशिया में गैस आधारित बिजली परियोजनाओं के लिए बोलियां दाखिल की हैं। कंपनी ने हाल ही में भूटान में दो बड़ी बिजली परियोजनाएं हासिल की हैं। इनमें एक 500 मेगावाट की सोलर प्रोजेक्ट है जबकि दूसरी 770 मेगावाट की हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट है। प्रस्तावित परियोजना से रिलायंस पावर के बही-खाते में महत्वपूर्ण बदलाव आने की उम्मीद है क्योंकि कंपनी का उद्देश्य इन परिसंपत्तियों का मौद्रीकरण करके 2,000 करोड़ रुपये लाने का है। इस संबंध में संपर्क करने पर रिलायंस पावर के प्रवक्ता ने वैश्विक बोलियों में कंपनी के भाग लेने की खबरों की पुष्टि की।

कंपनी के शेयरों के हाल

बता दें कि रिलायंस पावर के शेयर लगातार शानदार परफॉर्म कर रहे हैं।इस साल अब तक आर पावर के शेयर में 60 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई है।

विश्व बैंक की रिपोर्टः संघर्ष की आग में जलते देश, एक अरब लोग झेल रहे गरीबी; पांच साल में 20 प्रतिशत तक गिरती है आय

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर के संघर्षग्रस्त इलाकों में रहने वाले करीब एक अरब लोग सिर्फ गोलियों और विस्फोटों से ही नहीं बल्कि भूख, बीमारी और गरीबी की धीमी मौत से भी जूझ रहे हैं। विश्व बैंक की नई रिपोर्ट में सामने आया है कि हिंसक संघर्ष से जूझते देशों में न सिर्फ गरीबी चरम पर है बल्कि वहां के नागरिकों की औसत आयु, स्वास्थ्य सुविधाएं और आर्थिक विकास भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उच्च तीव्रता वाले संघर्षों के करण ऐसे देशों की प्रति व्यक्ति आय में पांच वर्षों के भीतर करीब 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की जाती है।

विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की लगभग एक अरब आबादी उन 39 देशों या क्षेत्रों में रह रही है, जो पिछले कई वर्षों से संघर्ष और अस्थिरता से जूझ रहे हैं। ये देश एफसीएस (फ्रैगिलिटी कनफ्लिक्ट एंड वायलेंस) श्रेणी में आते हैं। इनमें से ज्यादातर उप-सहारा अफ्रीका में हैं, जबकि कुछ पश्चिम एशिया, पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र में भी हैं। इन देशों में रहने वाले नागरिकों के लिए संघर्ष सिर्फ एक राजनीतिक या सैन्य चुनौती नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा संकट बन चुका है। इन क्षेत्रों में अगर लोग जीवित बच भी गए तो यह संघर्ष जीवन भर के लिए भारी कठिनाइयों सबब बन जाता है। सामान्य विकासशील देशों में जहां चरम गरीबी की दर मात्र 6 फीसदी है, वहीं संघर्ष-ग्रस्त देशों में यह लगभग 40 फीसदी तक पहुंच गई है। एफसीएस देशों की लगभग 20 करोड़ आबादी इस समय गंभीर खाद्य असुरक्षा से जूझ रही है। यह संख्या अन्य विकासशील देशों की तुलना में 18 गुना अधिक है। यही नहीं अन्य देशों के मुकाबले यहां शिशु मृत्यु दर भी दो गुनी अधिक और औसत जीवन प्रत्याशा सात वर्ष कम यानी 71 वर्ष के मुकाबले 64 है। स्वास्थ्य ढांचा अक्सर या तो पूरी तरह ध्वस्त होता है या फिर लगातार चल रहे संघर्षों के कारण चरमराया रहता है। कई अस्पताल बंद हो चुके हैं, दवाओं की भारी कमी है और प्रशिक्षित चिकित्सकों का पलायन जारी है।

मुकेश अंबानी करेंगे बड़ी डील! रिलायंस को कोई नहीं दे पाएगा टक्कर

गौतम अडानी ने खींच लिए थे हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस की एनर्जी कंपनी रोसनेफ्ट भारत में नायरा एनर्जी में अपनी हिस्सेदारी बेचना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ उसकी बात बन सकती है। पहले कई भारतीय कंपनियों से बात की गई लेकिन बात नहीं बनी। सरकारी कंपनियों ने भी दिलचस्पी नहीं दिखाई। अब रिलायंस और रोसनेफ्ट के बीच शुरुआती बातचीत शुरू हो गई है। हालांकि अभी यह शुरुआती दौर में है। रोसनेफ्ट अपनी हिस्सेदारी के लिए 20 अरब डॉलर मांग रही थी। इतनी ज्यादा कीमत की वजह से पहले कई कंपनियों ने दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। सूत्रों के अनुसार, रोसनेफ्ट ने अब अपनी डिमांड को थोड़ा कम करके 17 अरब डॉलर कर दिया है। लेकिन यह कीमत भी रिलायंस के लिए बहुत ज्यादा है। हालांकि रिलायंस ने इसे बाजार की अफवाह बताया है। लेकिन अगर यह बातचीत सफल होती है, तो रिलायंस भारत की सबसे बड़ी रिफाइनरी कंपनी बन जाएगी। वह इंडियन ऑयल को पीछे छोड़ देगी। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस गुजरात के जामनगर में दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी चलाती है। इसकी क्षमता 68 मिलियन टन प्रति वर्ष है। नायरा का अधिग्रहण करने से रिलायंस की क्षमता 20 मिलियन टन प्रति वर्ष बढ़ जाएगी। इससे इंडियन ऑयल की 80.7 मिलियन टन की क्षमता से ज्यादा हो जाएगी। इसके साथ ही, रिलायंस का बाजार में दबदबा भी बढ़ेगा। उसे 6,750 पेट्रोल पंप मिलेंगे। अभी रिलायंस के पास जियो-बीपी ब्रांड के तहत 1,700 से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं। रोसनेफ्ट पिछले साल से नायरा से बाहर निकलने की कोशिश कर रही है। 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कई प्रतिबंध लगाए हैं।

अडानी ग्रुप की ना

सूत्रों का कहना है कि पिछले हफ्ते रिलायंस के फ्यूल रिटेल ब्रांड जियो-बीपी और अडानी-टोटल गैस के बीच एक समझौता हुआ था।इस समझौते के तहत दोनों कंपनियां एक-दूसरे के आउटलेट से अपने-अपने ईंधन बेचेंगी।यह समझौता नायरा के अधिग्रहण की योजना का हिस्सा हो सकता है।अडानी ग्रुप को भी रोसनेफ्ट ने यह ऑफर दिया था, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया।इसकी वजह रोसनेफ्ट की ऊंची कीमत के साथ-साथ टोटल के साथ अडानी ग्रुप का समझौता भी है।इस समझौते के तहत अडानी ग्रुप अब जीवाश्म ईंधन में और निवेश नहीं कर सकता है।रिलायंस अगर नायरा का अधिग्रहण करती है, तो जियो-बीपी डील से उसे ईंधन बेचने के लिए आउटलेट मिल जाएंगे।वहीं, अडानी-टोटल गैस के सीएनजी कारोबार को नायरा के नेटवर्क तक पहुंच मिल जाएगी।

अच्छे संबंध

सूत्रों का कहना है कि रोसनेफ्ट के साथ बातचीत रिलायंस की सऊदी अरामको के साथ तेल से रसायन वेंचर में हिस्सेदारी खरीदने की कोशिश की तरह भी विफल हो सकती है।उस समय भी कीमत को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी।रिलायंस के रोसनेफ्ट के साथ अच्छे संबंध

सहायक कंपनियों को बाजार में लिस्ट करें सरकारी बैंक वित्त मंत्रालय ने दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने सरकारी बैंकों से कहा है कि वे अपने परिचालन को और बढ़ाने के बाद सहायक कंपनियों में अपने निवेश को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध कराकर उसका मौद्रीकरण करें, ताकि उन्हें अच्छा रिटर्न मिल सके।मध्यम से लंबी अवधि में सरकारी बैंकों की करीब 15 सहायक कंपनियां या संयुक्त उद्यम प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) या विनिवेश के लिए तैयार हैं।सूत्रों ने कहा, बैंकों को जहां भी जरूरी हो, अपनी सहायक कंपनियों या संयुक्त उद्यमों के परिचालन को बढ़ाने के लिए धन का निवेश करना चाहिए।उदाहरण के लिए, एसबीआई अपने परिचालन को बढ़ाने के बाद एसबीआई जनरल इंश्योरेंस व एसबीआई पेमेंट सर्विसेज को सूचीबद्ध करने पर विचार कर सकता है।

बैंकों का एनपीए घटकर 0.52 फीसदी- वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, बैंकों का कुल कारोबार 2022-23 के 203 लाख करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 251 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।एनपीए 1.24 फीसदी से घटकर 0.52 फीसदी रह गया।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सरकारी बैंकों के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद बताया, बैंकों का शुद्ध मुनाफा भी 1.04 लाख करोड़ से बढ़कर 1.78 लाख करोड़ हो गया है। इन बैंकों के पास पर्याप्त पूंजी है।

सिर्फ आधी कंपनियों को ही मिला दूरसंचार विनिर्माण प्रोत्साहन, 31 मार्च तक 1162 करोड़ रुपये का वितरण

नई दिल्ली, एजेंसी। दूरसंचार विनिर्माण से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत पात्र 42 कंपनियों में सिर्फ 21 को ही 31 मार्च, 2025 तक प्रोत्साहन मिला है। वहीं, दो कंपनियों कोरल टेलीकॉम लि. और अल्फियन इंडिया प्राइवेट लि. के आवेदन को पात्रता सीमा मानदंड को पूरा नहीं करने के कारण खारिज कर दिया। लाभार्थियों में से एक ने कहा, कुछ दूरसंचार गियर निर्माता सिर्फ आयातित उत्पादों को अपना लेबल लगाकर बेच रहे थे, जिससे पीएलआई योजना के तहत उत्पादन और मार्जिन प्रभावित हो रहे थे। ब्रॉडबैंड गियर निर्माता के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, योजना की मंशा को प्रभावित करने वाली ऐसी अनैतिक प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए सख्त निगरानी जरूरी है। सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब में दूरसंचार विभाग ने कहा, 31 मार्च तक योजना के तहत कुल 1,162.03 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन जारी किया गया है। इस योजना के तहत कुल 4,115 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन निर्धारित किया था। योजना अवधि के दौरान 2.45 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बिक्री और 44,000 से अधिक अतिरिक्त रोजगार सृजित होने का अनुमान है। विनिर्माणको प्रोत्साहन देने के लिए दूरसंचार पीएलआई योजना एक अप्रैल, 2021 को लागू हुई थी और यह चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक चलने वाली है।

विंबलडन रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सबसे अच्छा मौका: जोकोविच

लंदन, एजेंसी। नोवाक जोकोविच से भले ही अब किसी टूर्नामेंट के शुरू होने पर अक्सर उनके संन्यास को लेकर सवाल किया जाता है लेकिन इस स्टार टेनिस खिलाड़ी की निगाह सोमवार से शुरू होने वाले विंबलडन पर टिकी है जिसे वह अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका मानते हैं। जोकोविच अभी 38 साल के हैं और विंबलडन से पहले उनसे यही सवाल पूछा गया कि क्या वह आखिरी बार इस प्रतियोगिता में खेलेंगे। इस 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन का जवाब भी रटा रटाया था। जोकोविच ने कहा, 'क्या यह मेरा आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट हो सकता है। इसको लेकर अभी मैं पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मैं अगले साल फ्रेंच ओपन या किसी अन्य ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग लूंगा या नहीं, इसको लेकर निश्चित नहीं हूं। उन्होंने कहा, 'मेरी इच्छा कई और साल तक खेलना है। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह फिट रहना चाहता हूं। यही मेरा लक्ष्य है लेकिन उम्र के इस पड़ाव पर आप पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकते कि आगे क्या होगा।

बेयर्न की फ्लेमेंगो पर 4-2 से शानदार जीत

मियामी, एजेंसी। हैरी केन के दो गोल की मदद से बेयर्न म्यूनिख ने हार्ड रॉक स्टेडियम में फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया। इसी के साथ उसने फीफा क्लब विश्व कप क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। विन्सेंट कोम्पनी की टीम अब शनिवार को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पेरिस सेंट-जर्मेन से भिड़ेगी। यह मुकाबला अटलांटा के मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में खेला

जाएगा। बायर्न ने दो गोल की बढ़त हासिल कर ली, एरिक पुलगर ने अनजाने में अपने ही नेट में हेडर मारा और केन का डिफ्लेक्टेड ड्राइव पोस्ट से अंदर चला गया। गेर्सन के एक दमदार स्ट्राइक ने इस अंतर को आधा कर दिया, लेकिन लियोन गोरेट्ज़का ने ब्रेक तक बवेरियन को 3-1 से आगे कर दिया। जॉर्जिन्हो ने मिशेल ओलिस को हैंडबॉल के लिए दंडित किए जाने के बाद स्पॉट से एक गोल वापस ले लिया। हालांकि, फ्लेमेंगो ने बराबरी के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन केन ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। एक बेहतरीन टेक और शानदार फिनिश ने जीत सुनिश्चित कर दी। बायर्न के मैनेजर विन्सेंट कोम्पनी ने कहा, शुरुआती 20 मिनट हम अच्छा खेल रहे थे, लेकिन खेल की गति बहुत तेज थी। मैं सोच रहा था, इस समर में इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ क्या यह प्रदर्शन जारी रहेगा? ईमानदारी से कहूं तो, हम मैच में आगे बढ़े और मुझे लगता है कि यह फैंस के लिए एक अच्छा मैच था। हम अगले दौर में जाने पर सच में बहुत खुश हैं। विन्सेंट कोम्पनी ने बताया कि उनकी टीम शनिवार को अटलांटा में पीएसजी के साथ होने वाले मुकाबले पर फोकस करने से पहले आराम करने को प्राथमिकता देगी।

फॉफ डुप्लेसिस ने ठोका सीजन का दूसरा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। मेजर लीग क्रिकेट के 21वें मैच में टेक्सास सुपर किंग्स के कप्तान फॉफ डुप्लेसिस ने एमआई न्यूयॉर्क के खिलाफ कप्तानी पारी खेलते हुए नाबाद शतक लगाया। ये इस सीजन में डुप्लेसिस का दूसरा शतक रहा साथ ही ओवरऑल इस लीग में ये उनका तीसरा शतक रहा और वो इस लीग में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। इस मैच में न्यूयॉर्क के कप्तान निकोलस पूरन ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया और फिर सुपर किंग्स ने पहले खेलते हुए डुप्लेसिस के नाबाद शतक और डोनोवन फेरेरा के तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 4 विकेट पर 223 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

डुप्लेसिस ने 51 गेंदों पर पूरा किया शतक

न्यूयॉर्क के खिलाफ डुप्लेसिस ने अपना शतक 51 गेंदों पर पूरा किया जबकि इस मैच में उन्होंने 53 गेंदों पर नाबाद 103 रन की पारी खेली। इस पारी के दौरान उनका स्ट्राइक रेट 194.34 का रहा जबकि उन्होंने 9 छक्के और 5 चौके भी लगाए। इस सीजन में ये डुप्लेसिस का दूसरा शतक रहा इससे पहले उन्होंने सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के खिलाफ 20 जून को 100 रन की पारी खेली थी।

40 साल की उम्र में रचा इतिहास

डुप्लेसिस 40 साल की उम्र में जिस तरह की बैटिंग कर रहे हैं वो अपने आप में कमाल है और मेजर लीग क्रिकेट के इतिहास में वो अब सबसे ज्यादा शतक (3) लगाने वाले बैटर भी बन गए हैं। वहीं टी20 क्रिकेट में ओवरऑल ये डुप्लेसिस का 8वां शतक रहा।

सुपर किंग्स ने बनाए 223 रन

सुपर किंग्स ने कप्तान डुप्लेसिस के नाबाद 103 रन की पारी साथ ही डोनोवन फेरेरा की अर्धशतकीय पारी के दम पर 223 रन बनाए। फेरेरा ने भी गजब की पारी इस मैच में खेली और उन्होंने 265.00 की स्ट्राइक रेट के साथ 20 गेंदों पर 53 रन ठोक दिए।

बॉक्सिंग

निकहत और अंकुशिता की शानदार जीत

हैदराबाद, एजेंसी। क्वार्टरफाइनल के अन्य नतीजों में प्रीति (54 किग्रा), ज्योति (51 किग्रा) और देविका घोरपड़े (51 किग्रा) ने सर्वसम्मत फैसलों से सेमीफाइनल में जगह बनाई। दो दफा की विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने रविवार को यहां एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट के दूसरे दिन शानदार जीत से 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। निकहत ने कल्पना पर 5-

0 से शानदार जीत के साथ घरेलू दर्शकों को खुश कर दिया। पूर्व युवा विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और राजस्थान की मुक्केबाज पार्थवी पर 5-0 की शानदार जीत के साथ 65 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल के अन्य नतीजों में प्रीति (54 किग्रा), ज्योति (51 किग्रा) और देविका घोरपड़े (51 किग्रा) ने सर्वसम्मत फैसलों से सेमीफाइनल में जगह बनाई।

बेडमिंटन

भारत के आयुष ने यूएस ओपन का खिताब जीता, उनका पहला BWF वर्ल्ड टूर टाइटल

आयोवा, एजेंसी। आयुष की यांग पर यह तीसरी जीत है। उन्होंने इस साल के शुरू में मलयेशिया ओपन और ताइपे ओपन में उन्हें हराया था। आयुष ने इस पूरे हफ्ते में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चाउ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद जीत हासिल की थी। भारत के उभरते बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग पर सीधे गेम में जीत के साथ अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीत लिया है। इसके साथ ही इस सत्र में भारत का खिताबी सूखा खत्म हुआ। 2023 जूनियर विश्व चैंपियनशिप के कांस्य विजेता 20 वर्षीय आयुष ने रविवार को तीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट में 21-18, 21-13 से हरा दिया। वहीं, महिला एकल फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा शीर्ष वरीय अमेरिका की बेवेन झांग से तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में हारकर उप विजेता रहीं। अपना पहला विश्व टूर फाइनल खेल रहीं गैरवरीय तन्वी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा।

आयुष की यांग पर यह तीसरी जीत रही। उन्होंने इस साल के शुरू में मलयेशिया ओपन और ताइपे ओपन में उन्हें हराया था। आयुष ने इस पूरे हफ्ते में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चाउ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद जीत हासिल की थी। पुरुष एकल फाइनल की शुरुआत में स्कोर 6-6 से बराबर रहा था, लेकिन चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने कई विनर्स लगाकर मिड तक यांग पर 11-6 की बढ़त बना ली।यांग ने अंतर को 13-11 तक कम कर दिया और 16-16 से बराबरी हासिल कर ली, लेकिन आयुष ने अच्छी तरह से लगाए गए शॉट्स के साथ नियंत्रण हासिल कर लिया और निर्णायक जंप स्मैश के साथ शुरुआती गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भारत के स्टार शटलर ने 7-2 की बढ़त बना ली, लेकिन यांग ने कुछ समय बाद स्कोर फिर से बराबर कर जिया। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी ने संयम बनाए रखा और अटैक-डिफेंस का सही तरीके से उपयोग करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को मैच से दूर रखा। 17-12 से आगे होने के बाद आयुष ने क्रॉस-कोर्ट पंच के साथ मैच को लगभग समाप्त कर दिया। इसके बाद एक और शक्तिशाली स्मैश से अपना पहला वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया।

रिकॉर्ड छठा विश्व कप खेलेंगे रोनाल्डो

क्लब वर्ल्ड कप नहीं खेलने की वजह भी बताई

लिस्बन, एजेंसी। ऐसी अटकलें थीं कि वह अमेरिका में चल रहे क्लब विश्व कप में खेलने के लिए किसी अन्य क्लब से जुड़ सकते हैं। हालांकि, उन्होंने इसका खंडन किया और अगले साल फीफा विश्व कप खेलने की इच्छा जताई है। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो रिकॉर्ड छठे फीफा विश्व कप में खेलने के लिए क्लब विश्व कप का हिस्सा नहीं बने हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह लंबा सत्र है और वह आराम कर के खुद को फिट और तरोताजा रखना चाहते हैं। रोनाल्डो अगले साल फीफा विश्व कप तक 41 वर्ष के हो जाएंगे। रोनाल्डो ने सऊदी अरब के अपने क्लब अल नस्र द्वारा पोस्ट किए गए एक इंस्टाग्राम वीडियो में कहा, मेरे पास क्लब विश्व कप खेलने के कुछ प्रस्ताव थे, लेकिन मुझे लगता है कि इसका कोई मतलब है क्योंकि मैं अच्छी तरह से आराम करना और बेहतर तैयारी करना पसंद करता हूं। यह सत्र बहुत लंबा होगा क्योंकि सत्र के अंत में विश्व कप खेला जाना है। उन्होंने अल नस्र के साथ दो साल के अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा, इसलिए मैं न केवल अल नस्र के लिए बल्कि राष्ट्रीय टीम के लिए भी तैयार रहना चाहता हूं। 40 वर्षीय रोनाल्डो ने तीन हफ्ते पहले स्पेन के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट जीत के साथ पुर्तगाल को नेशंस लीग ट्रॉफी जीतने में मदद की थी।

इससे पहले ऐसी अटकलें थीं कि वह अमेरिका में चल रहे क्लब विश्व कप में खेलने के लिए किसी अन्य क्लब से जुड़ सकते हैं। वह और लंबे समय से अर्जेंटीना के प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की सह-मेजबानी वाले टूर्नामेंट में छह विश्व कप में खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन सकते हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम चीन से 2-3 से हारी

बर्लिन, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम को रविवार को बर्लिन में चीन के खिलाफ खेले गए मैच में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 में उसका अभियान समाप्त हो गया। चीन की तरफ से यिंग झांग ने मैच के 19वें और 30वें मिनट में गोल किया। वहीं, जू वेन्यू ने 53वें मिनट में गोल किया। भारत की तरफ से दो गोल सुनलिता टोप्पो (9वें मिनट) और रुजुता दादासो पिसल (38वें मिनट) ने किए।

इस सत्र का यह आखिरी मैच था। नीदरलैंड शीर्ष पर रहा, अर्जेंटीना दूसरे और बेल्जियम लीग में तीसरे स्थान पर रहा। चीन अंक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। भारत अंतिम स्थान पर रहा। भारतीय टीम को प्रतिष्ठित एफआईएच प्रो लीग में फिर से अपना स्थान हासिल करने के लिए एफआईएच नेशंस कप खेलना होगा।

भारत की शुरुआत अच्छी रही। उसने मैच के नौवें मिनट में बढ़त हासिल की, जब नेहा

गोयल से मिले पास को सुनिलिता टोप्पो ने गोल में बदला। ओडिशा की युवा खिलाड़ी ने पास को अच्छी तरह से गैदर किया और सीधे गोल पोस्ट पर की तरफ शॉट लगाया। दो मिनट बाद चीन को पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय टीम ने इसका अच्छा बचाव किया। चीन को बराबरी करने में ज्यादा समय नहीं लगा। 18वें मिनट में चीन को पेनाल्टी कॉर्नर मिला। ड्रेग फ्लिकर किउचन को भारतीय डिफेंडर मनीषा चौहान ने उस समय चेहरे पर मारा, जब वह पास को क्लियर करने की कोशिश कर रही थी। किउचन को मैदान से बाहर ले जाना पड़ा और मैदानी अंपायर ने चीन को पेनाल्टी स्ट्रोक दिया, जिस पर भारत ने अपील की। वीडियो अंपायर ने चीन को पेनाल्टी कॉर्नर दिया, जिसे यिंग झांग ने गोल में बदल दिया। चीन ने दूसरे क्वार्टर के अंत में एक और पीसी हासिल किया। झांग ने एक बार फिर सही जगह बनाई और अपने नाम एक और गोल किया, जिससे चीन की बढ़त सुनिश्चित हुई। भारत को 37वें मिनट में बराबरी का मौका मिला जब उसे मैच का अपना पहला पीसी मिला। पहला पीसी चीनी डिफेंडरों ने रोक दिया, लेकिन बैक स्टिक फाउल हुआ। हालांकि मैदानी अंपायर ने इसे नहीं देखा। भारत ने सफल रेफरल लिया और एक और पीसी हासिल किया। अनुभवी नवनीत कौर ने गेंद को रुजुता को पास किया, जो दाएं फ्लैंक पर खड़ी थीं। रुजुता को गोल करने में सफलता मिली।

चीन ने भारत द्वारा बैक-स्टिक फाउल के बाद पीसी के साथ अंतिम क्वार्टर की शुरुआत की। लगातार प्रयास कर रहे चीन को 53वें मिनट में सफलता मिली जब जू वेन्यू ने पीसी के माध्यम से गोल किया और टीम को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिला दी।

बर्मिंघम में पहली जीत की तलाश में उतरेगा भारत

बर्मिंघम, एजेंसी। सीरीज में 1-0 से पिछड़ने के बाद भारत और इंग्लैंड की टीमें दूसरे टेस्ट के लिए बर्मिंघम में बुधवार से एक-दूसरे से भिड़ेंगी। इंग्लैंड ने इस मैदान पर कुल 56 मैच खेले हैं, जिसमें उन्हें 30 में जीत, 11 में हार मिली है जबकि 15 मैच ड्रॉ रहे हैं। वहीं भारत यहां पर आठ टेस्ट खेला है और उन्हें एक भी मैच में जीत नहीं मिल पाई है। आठ में से सात हार और एक ड्रॉ के साथ भारत के लिए यह मैदान अभी तक एक अभेद्य किला बना हुआ है। इसमें से भी सात में से तीन में भारत को पारी की हार मिली है। आइए डालते हैं इस मैदान पर भारत के रिकॉर्ड पर एक नजर। जब भारतीय टीम 100 से कम के स्कोर पर सिमट गई, 1967

यह वह दौर था, जब भारतीय टीम की कमान, टीम के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक मंसूर अली खान पटौदी के हाथों में थी और विदेशी दौरे पर भी भारत अपनी स्पिन चौकड़ी के साथ खेलता था। भारतीय टीम सीरीज में 0-2 से पिछड़ने के बाद बर्मिंघम पहुंची थी और यह

ढाई महीने के लंबे दौरे का आखिरी मैच था। भारत यह मुकाबला हार गया और सीरीज 0-3 से गंवा बैठा।

एक बार फिर से भारतीय टीम सीरीज में 0-2 से पिछड़ने के बाद बर्मिंघम पहुंची थी और उनका बहुत कुछ दांव पर था। बारिश से प्रभावित इस मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और फ़ारूख इंजीनियर के अर्धशतक की मदद से सिर्फ 165 रन बना पाई। इसके बाद डेविड लॉयड की आंधी आई जिन्होंने नाबाद दोहरा शतक (214) लगाकर भारतीय गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया। इंग्लैंड ने 459/2 के स्कोर पर अपनी पारी घोषित की और पहली पारी में 294 रनों की बड़ी बढ़त ली। जवाब में भारतीय टीम दूसरी पारी में भी सिर्फ 216 रन बना पाई और भारतीय टीम यह मुकाबला पारी और 78 रनों से हार गई।

यह चार टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच था और इस बार डेविड गॉवर के दोहरे शतक (नाबाद 200) की मदद से भारतीय टीम को पारी की हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और ज्योफ बॉयकाट (155) और गॉवर की पारियों की मदद से पांच विकेट पर 633 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारतीय टीम दोनों पारियों में क्रमशः 297 और 253 का ही स्कोर बना पाई और मैच को पारी और 83 रनों से हार गई।

बर्मिंघम में पिछले दो मुकाबले पारी के अंतर से हारने के बाद यह परिणाम निश्चित रूप से भारत के लिए राहत भरा रहा होगा। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान माइक गैटिंग के नाबाद 183 रनों की मदद से 390 का एक बड़ा स्कोर खड़ा किया।जवाब में मोहिंदर अमरनाथ और मोहम्मद अजहरूद्दीन के अर्धशतकों की मदद से भारत ने भी ठीक 390 का स्कोर खड़ा किया। दूसरी पारी में इंग्लैंड का कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं लगा सका और चेतन शर्मा के छह विकेटों की मदद से भारत ने उनको सिर्फ 235 रनों पर समेट दिया। हालांकि भारत निर्धारित समय तक पांच विकेट के नुकसान पर 174 रन ही बना पाया और मुकाबला ड्रॉ रहा।

हॉरर कॉमेडी के साथ

स्त्री की दुनिया में कदम रखेंगे रणवीर सिंह?

रणवीर सिंह जल्द ही लोकप्रिय स्त्री सिनेमाई ब्रह्मांड में शामिल होने वाले हैं। यह उनकी पहली हॉरर-कॉमेडी फिल्म होगी। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म धुरंधर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसके अलावा एक्टर अक्सर अपने अतरंगी पहनावे से चर्चा में बने रहते हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, अब रणवीर स्त्री यूनिवर्स का हिस्सा बन चुके हैं।

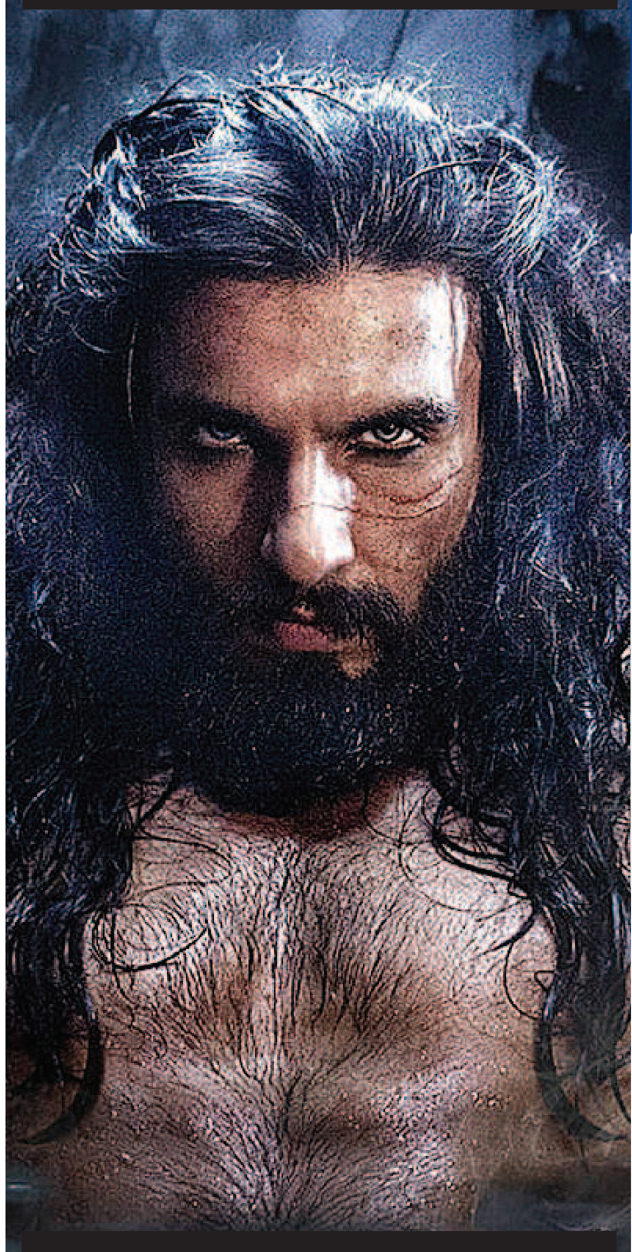

स्त्री यूनिवर्स में रणवीर की एंट्री?

एक खबर के अनुसार, स्त्री यूनिवर्स की इस आगामी फिल्म का निर्माण दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स के तरह किया जाएगा। यह फिल्म हंसी और डर का मिश्रण होगी, जो स्त्री, रूही और भेड़िया जैसी फिल्मों के ब्रह्मांड को और विस्तार देगी। प्रशंसक रणवीर की अनोखी ऊर्जा को इस डरावनी-मजेदार दुनिया में देखने के लिए उत्साहित हैं।

Hera Pheri Controversy:

सुलझ गया विवाद, हेरा फेरी 3 में बाबू भैया बनकर लौट रहे परेश रावल

खुद की पुष्टि

पिछले कुछ वक्त से हेरा फेरी 3 चर्चा में है। वजह हैं परेश रावल। अचानक खबर आई कि परेश रावल ने फिल्म से किनारा कर लिया है। इसके बाद खबर आई कि अक्षय कुमार ने अभिनेता को कानूनी नोटिस भेजा है। मगर, अब सारे विवाद सुलझ गए हैं और बाबू भैया फिल्म में वापसी कर रहे हैं।

फिल्म हेरा फेरी की तीसरी कड़ी का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे है। मगर, अचानक जब खबर आई कि परेश रावल ने फिल्म छोड़ दी है तो दर्शक मायूस हो गए। फिल्म हेरा फेरी 3 की रौनक आखिर राजू (अक्षय कुमार), श्याम (सुनील शेट्टी) और बाबू राव (परेश रावल) से है। एक भी एक्टर की अनुपस्थिति दर्शक नहीं चाहते। ऐसे में जब खबर आई कि परेश रावल ने फिल्म छोड़ दी है तो दर्शक निराश हो गए। मगर, अब खुशखबरी ये है कि परेश रावल फिल्म में वापसी कर रहे हैं और यह पुष्टि खुद उन्होंने की है।

बोले- दर्शकों के लिए जिम्मेदारी बनती है

परेश रावल का कहना है कि वे हेरा फेरी 3 में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने हिमांशु मेहता के पॉडकास्ट में यह खुलासा किया है। एक्टर ने बीते दिनों फिल्म को लेकर चली कंट्रोवर्सी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब सब रिजॉल्व हो गया है। शो में परेश रावल से जब फिल्म को लेकर विवाद के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, कोई विवाद नहीं है। जब कोई चीज इतने लोगों को भाती आती है, तब हमें अतिरिक्त रहना पड़ता है। यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि दर्शकों के लिए। दर्शक बैठे हैं और वे आपको इतना प्यार करते हैं। आप चीजों को हल्के में नहीं ले सकते। मेहनत करके उन्हें देना चाहिए।

कॉमेडी में सही टाइमिंग के लिए लगातार मेहनत जारी: रूही सिंह

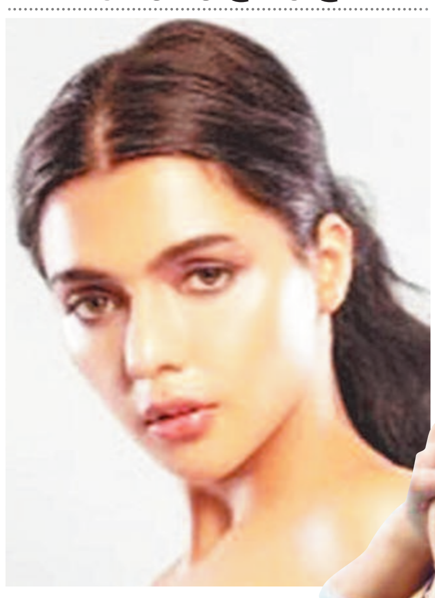

एक्ट्रेस रूही सिंह अपनी आने वाली फिल्म मस्ती 4 में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने से बात करते हुए इस फिल्म के निर्देशक मिलाप जावेरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मिलाप जावेरी बेहतर तरीके से जानते हैं कि जनता को क्या पसंद आता है। साथ ही बताया कि वह दर्शकों को हंसाने के लिए कॉमेडी टाइमिंग को लेकर कड़ी मेहनत कर रही हैं। बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, वह शुरू से ही मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। वह मस्ती की खासियत और आम लोगों को क्या पसंद आता है, ये अच्छी तरह समझते हैं। मैं उनके निर्देशन के लिए बहुत उत्साहित हूं। वह दर्शकों को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी पसंद के हिसाब से फिल्म बनाते हैं। ने उनसे पूछा कि जब उन्हें यह फिल्म ऑफर हुई तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, जब मुझे मस्ती 4 का ऑफर मिला, तो मैंने उसके लिए तुरंत हामी भर ली। मस्ती एक बड़ी और प्रसिद्ध फिल्म सीरीज है जिसकी अपनी एक पहचान है, और उसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हुई। यह फिल्म एक शानदार कलाकारों की टीम, एक ऐसा निर्देशक जो फिल्म और दर्शकों को समझता है, और जिसमें मजाक-मस्ती मुख्य बात है, ये सब मिलकर फिल्म को बहुत मजेदार बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह मेरे लिए एक बेहतरीन मौका है। उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि मैंने अपने दोस्तों के साथ ग्रैंड मस्ती देखी थी और हम बहुत जोर-जोर से हंसे थे। कॉमेडी करना मुश्किल होता है। कॉमेडी में सही टाइमिंग पकड़ना उनके लिए कितना मुश्किल है? इस सवाल पर रुही ने कहा, मुझे खुद पर हंसने में कोई डर नहीं लगता। मैं अपनी निजी जिंदगी में मजाकिया और हंसमुख हूं। मैं जानती हूं कि कॉमेडी करना सबसे मुश्किल होता है, इसलिए मैं खुद पर काम कर रही हूं। मैं बहुत सारी कॉमेडी फिल्में देख रही हूं, खासकर राजपाल यादव और परेश रावल की फिल्में। साथ ही, मैं अपने एक्टिंग टीचर के साथ लगातार अभ्यास कर रही हूं ताकि कॉमेडी की सही टाइमिंग समझ सकूं।

ससुराल में ठाठ से रह रहीं हिना खान, ससुरालियों की तारीफ में बोलीं- मुझे राजकुमारी की तरह रखते हैं

अभिनेत्री हिना खान अपनी मैरिड लाइफ को एंजॉय कर रही हैं। इसी महीने उन्होंने रॉकी जायसवाल से शादी रचाई। अपने ससुराल वालों के साथ हिना की काफी अच्छी बॉन्डिंग है। वे पूरे ठाठ से ससुराल में रहती हैं, जहां किसी राजकुमारी की तरह उनकी खातिरदारी होती है। हाल ही में एक वीडियो शेयर कर खुद हिना ने यह बात कही है।

हिना खान ने आज रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने उम्मीदें बनाम सच्चाई पर आधारित एक वीडियो बनाया है। वीडियो की शुरुआत में हिना बहू रानी अवतार में अपने ससुराल वालों को खाना परोसकर खिला रही हैं। इसके साथ लिखा है, एक्सपेक्टेशन। वहीं, वीडियो के आखिर में हिना खान सूट-बूट पहने डाइनिंग टेबल पर बैठी हैं। सभी ससुराल वाले उनकी प्लेट में खाना सर्व कर रहे हैं। हिना का स्वैग देखने लायक है। इस फुटेज के साथ लिखा है, रियलिटी। वीडियो के साथ हिना ने कैप्शन लिखा है, ससुराल वालों का इतना ज्यादा साथ पाकर कैसा लगता है? हां, वे लंबे समय से मेरा परिवार रहे हैं और वे मुझे राजकुमारी जैसा महसूस कराते हैं। वे न सिर्फ हमारी ऑफिशियल मैरिज के बाद, बल्कि पहले से ही मुझे स्पेशल फील कराते रहे हैं। हिना ने आगे लिखा है, भले ही उनमें से लगभग सभी कैमरे के सामने आने में शर्माते हैं। मगर, वे बिना किसी झिझक या सवाल के इस बार साथ आए... बस मुझे खुश करने के लिए। मेरे आस-पास इतना प्यार पाकर मैं खुद को धन्य महसूस कर रही हूं। ऐसे लोगों का होना धन्य है, जो मस्ती को समझते हैं और यह समझते हैं कि खुशहाल जीवन जीना कितना महत्वपूर्ण है।

एक्टर सयाजी शिंदे ने लगाए 75 नए पौधे, बोले- 'हमारा लक्ष्य 10 हजार'

हिंदी के साथ ही मराठी और साउथ की कई सफल फिल्मों का हिस्सा रहे एक्टर सयाजी शिंदे पर्यावरण संरक्षण को अक्सर बढ़ावा देते दिखते हैं। शनिवार को उन्होंने 75 नए पौधे लगाए और बताया कि उनका लक्ष्य 10 हजार पौधों को लगाने का है। एक्टर सयाजी शिंदे ने समाचार एजेंसी को बताया कि वह हरियाली और पर्यावरण को लेकर काम करते रहते हैं, इससे उन्हें सुकून मिलता है। उन्होंने बताया, पिछली बार हमने बीड जिले के पल्लवन में पौधे लगाए थे और रामगढ़ में भी पौधे लगाए, जो काफी सफल रहे। इस खुशी में हमने 75 नए पौधे लगाए। अभी रामगढ़ में भी लगभग 10 हजार पौधे लगाने बाकी हैं, हमारा लक्ष्य 10 हजार पौधे लगाने का है। सयाजी शिंदे कुछ वर्षों से पौधरोपण अभियान को लेकर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उनके एनजीओ ने कई पौधे लगाए हैं। महाराष्ट्र के सतारा जिले के साखरवाड़ी नामक एक छोटे से गांव में जन्मे सयाजी अपने गांव में भी 10 हजार से ज्यादा पौधे लगा चुके हैं।

सयाजी शिंदे ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत मराठी थिएटर से की। उन्होंने 1978 में नाटक में काम शुरू किया और जुल्वा (1987), वन रूम किचन (1989) और आमच्या या घरात (1991) जैसे नाटकों में भी काम किया। इसके बाद वह मराठी सिनेमा में नजर आए। उनकी प्रतिभा को हिंदी सिनेमा में पहचान तब मिली, जब अभिनेता मनोज बाजपेयी ने उनका नाम राम गोपाल वर्मा की फिल्म शूल (1999) के लिए सुझाया। सयाजी साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी सफल रहे, जहां उनकी तमिल फिल्म भारती (2000) सफल रही, जिसमें उन्होंने प्रसिद्ध तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती की भूमिका निभाई। इस किरदार ने उन्हें खूब सराहना दिलाई। इसके बाद वह बॉलीवुड में सरकार राज (2008) और संजू (2018) जैसी फिल्मों में नजर आए। सयाजी ने अपने करियर में कई भूमिकाएं निभाईं, जिसमें खलनायक, सहायक भूमिका के साथ कॉमेडी रोल भी शामिल हैं।

हिमाचल के हरिपुर पहुंची दीप्ति नवल ने अपनी दुनिया से मिलाया

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री दीप्ति नवल इन दिनों हिमाचल की वादियों में घूम रही हैं। सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने अपने प्रशंसकों को प्राकृतिक सुंदरता की झलक भी दिखाई।

दरअसल, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एप्रीकॉट (खुबानी) से लदे बगीचे की झलक दिखाते हुए वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह कहती नजर आ रही है, यह रहे पहाड़, यह मेरा बगीचा, ये देखिए एप्रीकॉट से लदे पेड़, और यह वह जगह है जहां मैं रोजाना वर्कआउट करती हूं। उन्होंने वीडियो के कैप्शन में लिखा, नग्गर के पास हरिपुर में आर्ट स्टूडियो में, हां, मैं हिमाचल में हूं। चश्मे बद्दूर की अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं; वह अक्सर अपनी पिछली फिल्मी जिंदगी को संजोते हुए वर्तमान की झलकियां फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।

इरफान खान से मिली तारीफ मेरे लिए किसी भी अवॉर्ड से ज्यादा मायने रखती थी: सुभाष घई

दिग्गज फिल्म निर्माता सुभाष घई ने दिवंगत अभिनेता इरफान खान को याद किया और उन्हें फिल्म इंडस्ट्री का अनमोल रत्न बताया। उन्होंने कहा कि वह फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक थे। उनकी तारीफ किसी भी अवॉर्ड से ज्यादा मायने रखती थी। सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम पर इरफान खान के साथ एक फोटो शेयर की, जो किसी अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान खींची गई थी। तस्वीर में दोनों ब्लैक कलर के सूट और वाइट शर्ट में नजर आ रहे हैं। साथ ही एक-दूसरे से मुस्कुराते हुए मिल रहे हैं। सुभाष घई के हाथ में एक अवॉर्ड है, वहीं इरफान उन्हें प्यार से गले लगाते हुए दिख रहे हैं। कर्ज, राम लखन, और ताल जैसी मशहूर फिल्मों के लिए मशहूर सुभाष घई ने कहा कि फिल्मों में चमक-दमक से ज्यादा कहानी मायने रखती है। वह इरफान के काम और उनकी काबिलियत को बहुत अहमियत देते थे। उनकी तारीफ उनके लिए किसी भी पुरस्कार से ज्यादा खास थी। उन्होंने लिखा, मैं हमेशा से दिखावटी सितारों की तुलना में अच्छे और महान अभिनेताओं की तारीफ करता रहा हूं। अच्छे अभिनेता कहानी को और बेहतर बनाते हैं, जबकि सितारे सिर्फ फिल्म को चमकाते हैं। मुझे इरफान खान से तारीफ मिलना किसी अवॉर्ड समारोह में पुरस्कार मिलने से ज्यादा खुशी देता था। इसलिए मैं इस तस्वीर को हमेशा संजोकर रखता हूं। हमें इरफान की बहुत याद आती है।

सुभाष घई और इरफान खान ने साथ कई फिल्मों में काम किया है। फिल्म राइट या रॉन्ग में इरफान ने लीड रोल निभाया था। इस फिल्म के निर्देशक सुभाष घई थे। इसके अलावा, सुभाष घई की फिल्म इकबाल में इरफान ने सहायक भूमिका निभाई थी।

इरफान खान का निधन 29 अप्रैल 2020 को हुआ था। वह एक गंभीर बीमारी, जिसे न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर कहते हैं, से लंबे समय तक जूझ रहे थे। उन्हें इस बीमारी का पता साल 2018 में चला था। इरफान खान ने खुद अपने ट्विटर पोस्ट के जरिए बीमारी की जानकारी फैंस को दी थी।

24 साल की पलक तिवारी ने मॉरीशस में बढ़ाई गर्मी

लेकिन... 44 साल की मां के आगे फीकी पड़ गई कलाकारी, श्वेता के चर्चे

पलक तिवारी इन दिनों मॉरीशस में छुट्टियां मना रही हैं और उन्होंने अपनी कुछ शानदार बीचवियर तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जो खूब वायरल हो रही हैं। उन्होंने अपनी मां श्वेता तिवारी और भाई रेयांश कोहली के साथ भी तस्वीरें पोस्ट कीं। पलक तिवारी के सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा फॉलोअर्स हैं, अकेले इंस्टाग्राम पर उनके 4.8 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। एक्ट्रेस अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी कुछ शानदार तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं, जिससे फैंस को उनकी जिंदगी की झलक मिलती है। अब, ऐसा लग रहा है कि पलक मॉरीशस में अपनी छुट्टियों का आनंद ले रही हैं और बीचवियर में उनकी नई तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है! इससे पहले, उन्होंने मॉरीशस वेकेशन से अपनी मां श्वेता तिवारी के साथ तस्वीरें शेयर की थीं। रविवार को पलक तिवारी ने अपने इंस्टाग्राम पर मॉरीशस वेकेशन की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। वह बीचसाइड ग्लैमर को बढ़ाते हुए, चमकीले गुलाबी रंग के क्रोकेट ओवरले टॉप और मैचिंग मिनी स्कर्ट के साथ बैंगनी रंग की बिकिनी पहने हुए नजर आ रही हैं। पलक ने पूरे आत्मविश्वास के साथ आउटफिट पहना और तस्वीरों में अपनी टोंड बॉडी को फ्लॉन्ट किया। जहां पहली दो तस्वीरों में वह बीच पर पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं, वहीं अगली फोटो में वह अपने कमरे में मिरर सेल्फी क्लिक करती हुई दिखाई दे रही हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि पलक की सिजलिंग तस्वीरों पर उनके फैंस फिदा हो गए। इस बीच, दो दिन पहले, उन्होंने अपने भाई रेयांश कोहली और उनकी मां श्वेता तिवारी के साथ कई तस्वीरें पोस्ट कीं। पलक लाल और सफेद रंग की बिकिनी में अपने कर्व्स दिखाती नजर आईं, जबकि श्वेता तिवारी काले रंग के बीचवियर में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। एक तस्वीर में मां-बेटी की जोड़ी बीच पर सेल्फी लेते हुए मुस्कुराती हुई, धूप सेंकती हुई और साथ में समय